उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु सूचीबद्ध समाचार पत्र

www.tvindialive.in

टी.आई.एल. एक्सप्रेस

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष–17
अंक–52
पृष्ठ–12
मूल्य दो रूपया
बांदा, रविवार 08 नवम्बर, 2026
RNI No.: UPHIN2008/32664

दीपावली-छठ पर रेलवे ने चलाई 18 हजार अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें : वैष्णव



नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि दीपावली और छठ सहित त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने करीब 18 हजार अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाई हैं। इसके अलावा देश के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर करीब 700 कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मदद से भीड़ की निगरानी की जा रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए करीब 20 प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया भी बनाए गए हैं।

वैष्णव ने रेल भवन में रेलवे के वॉर रूम की तैयारियों और परिचालन व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से कहा कि दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ के दौरान रेलवे के लिए यातायात का दबाव काफी बढ़ जाता है। इस चुनौती से निपटने के लिए रेलवे ने पिछले छह महीने से तैयारियां शुरू कर दी थीं। पिछले साल त्योहारी सीजन में करीब 12 हजार विशेष ट्रेनें चलाई गई थीं, जबकि इस साल इनकी संख्या बढ़ाकर करीब 18 हजार कर दी गई है। इनमें कई विशेष ट्रेनों को नियमित सेवा में भी परिवर्तित किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में रेलवे ने करीब 75 हजार विशेष ट्रेनें चलाई थीं, जबकि चालू वित्त वर्ष में इनकी संख्या 80 हजार से अधिक होने जा रही है। रेलवे का प्रयास है कि त्योहारों के दौरान यात्रियों को घर पहुंचने में किसी तरह की परेशानी नहीं हो और भीड़ का व्यवस्थित प्रबंधन किया जा सके। रेल मंत्री ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए करीब 20 स्टेशनों पर अलग से होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जहां यात्री अपनी ट्रेन के प्रस्थान से पहले आराम से इंतजार कर सकते हैं। इन क्षेत्रों में टिकट काउंटर भी स्थानांतरित किए गए हैं, ताकि यात्रियों को टिकट लेने के लिए स्टेशन परिसर के भीतर जाने की जरूरत न पड़े। सुरक्षा जांच के दौरान लंबी कतारों से बचने के लिए सामान की जांच के वास्ते कई स्कैनिंग काउंटर भी बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे का वॉर रूम चौबीसों घंटे काम करता है। यहां रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), परिचालन, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात रहते हैं। वॉर रूम में लाइव हीट मैप के माध्यम से विभिन्न स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ की स्थिति पर नजर रखी जाती है। इसमें हरा रंग सामान्य भीड़, पीला रंग बढ़ती भीड़ और लाल रंग अत्यधिक भीड़ का संकेत देता है। रेल मंत्री के अलावा रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी नियमित रूप से यहां से व्यवस्थाओं की निगरानी करते हैं।

बक्सर की महादलित बस्ती में डीएम साहिला ने मनाई दीपावली



पटना, एजेंसी। दीपावली के अवसर पर डीएम साहिला सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश देने के लिए बक्सर प्रखंड के छोटका नुआव स्थित महादलित बस्ती पहुंचीं। यहां उन्होंने स्थानीय परिवारों के बीच दीप और मिठाइयां वितरित कर उनके साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। डीएम ने बस्ती के लोगों को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख–समृद्धि की कामना की। इस दौरान एसडीएम अविनाश कुमार भी मौजूद रहे।वहीं, डीडीसी निहारिका छवि इटाढ़ी प्रखंड के नाथपुर स्थित दलित बस्ती पहुंचीं। इस दौरान एडीएम अरुण कुमार सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री सम्राट चाधरी के निर्देश पर की गई इस पहल के तहत अधिकारियों ने वंचित वर्ग के लोगों के बीच त्योहार की खुशियां बांटीं। डीएम ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव, समानता और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है।

वेयरहाउस अनाज मंडी में भीषण आग

जम्मू, एजेंसी। दिवाली की रात जम्मू के वेयरहाउस स्थित अनाज मंडी में भीषण आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। आग लगने का प्रारंभिक कारण पटाखों की चिंगारी बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, दुकानों के बाहर रखी कॉटन ने आग पकड़ ली। इसके बाद आग ने देखते ही देखते आसपास की कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया।

जिन दुकानों में आग लगी है, उनमें तेल और घी के अलावा ड्राई फ्रूट, दालें और मिर्च का भारी भंडारण रहता है।

रोडवेज कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा

चंडीगढ, एजेंसी। हरियाणा सरकार ने रोडवेज के 797 कंडक्टरों को पदोन्नत कर नियमित सब इंस्पेक्टर बना दिया है। धनतेरस की देर रात जारी आदेशों में कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा मिला है। इन कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए सरकार ने करीब छह महीने पहले वर्क एंड कंडक्ट रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट और सेवा रिकॉर्ड की जांच के बाद पदोन्नति के आदेश जारी किए गए।पदोन्नत कर्मचारियों को एफपीएल–4 वेतनमान का लाभ मिलेगा। उन्हें एक साल की प्रोबेशन अवधि पर रखा जाएगा।

एचआरटीसी कर्मियों को दिवाली का तोहफा

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश सरकार ने एचआरटीसी कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा दिया है। एचआरटीसी कर्मचारियों को पांच फीसदी महंगाई भत्ता(डीए) जारी कर दिया है। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। वहीं अतिरिक्त मुख्य सचिव ओंकार शर्मा के साथ निगम अधिकारियों की बैठक में इस प्रस्ताव पर पहले ही विस्तार से चर्चा हो चुकी थी। इससे पहले निगम के लगभग 8500 पेंशनरों को तीन फीसदी महंगाई भत्ता (डीए) देने का निर्णय लिया गया था।

एबीवीपी की छात्र हुंकार महारैली 19 नवंबर को

सिलीगुड़ी, एजेंसी। 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के नारे के साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) आगामी 19 नवंबर को सिलीगुड़ी में छात्र हुंकार महारैली आयोजित करेगी। महारैली बाघाजतिन पार्क से एसडीओ कार्यालय तक निकाली जाएगी। संगठन कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की गई।

एबीवीपी के अनुसार, उत्तर बंगाल के 12 सांगठनिक जिलों से करीब दस हजार छात्र–छात्राएं इसमें शामिल होंगे। संगठन की योजना इस आंदोलन को दक्षिण बंगाल सहित राज्य के अन्य हिस्सों तक फैलाने की भी है।संगठन के सदस्यों ने आरोप लगाया कि जेन–जी आंदोलन के नाम पर कुछ राजनीतिक दल देश में अस्थिरता पैदा करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। विदेशी ताकतों के प्रभाव से अराजकता फैलाने का प्रयास किए जाने का भी आरोप लगाया गया।संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश सचिव द्वीप दत्त, अदिति विश्वास, अनिकेत दे और महानगर सचिव सौगत दास सहित संगठन के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जेनी ने 23 साल पुराने मामले को फिर खोलने की मांग

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत पर यौन शोषण और अपने बेटे का पिता होने का आरोप लगाने वाली इंदिरा देवरी उर्फ जेनी ने मामले की दोबारा जांच कराने की मांग की है।

उत्तरांचल प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत में जेनी ने बताया कि 16 वर्ष की उम्र में उनका शोषण किया गया था। उन्होंने हरक सिंह रावत पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए कहा कि वह असम से देहरादून आई थीं और यहां ग्रीन चौक स्थित एक एसटीडी बूथ पर काम करती थीं। इसी दौरान वह हरक सिंह रावत के संपर्क में आईं।

उन्होंने दावा किया कि बाद में उन्हें राजपुर रोड स्थित नारी निकेतन के मानसिक अस्पताल में रखा गया, जहां उनसे जबरन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए।



किसान की हत्या में दोषी पिता और तीन बेटों को उम्रकैद



टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। गिरवां थाना क्षेत्र के बंडे गांव में मेड़ के विवाद में हुई जुगलकिशोर कुशवाहा की हत्या में अदालत ने दोषी पिता और उसके तीन बेटों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

स्पेशल जज डकैती गगन कुमार भारती की अदालत ने चारों दोषियों पर 13–13 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। गिरवां थाना क्षेत्र के बंडे गांव निवासी केसरिया ने 18 जून 2023 को गिरवां थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

आरोप था कि मेड़ के विवाद में गांव के रामकिशोर कुशवाहा और उसके तीन बेटों कुंजीलाल, बिहारीलाल और अमर सिंह ने पति जुगलकिशोर के सिर पर बांका से वार किया था। बीचबचाव पर भाइयों राजकिशोर और राजा के साथ भी मारपीट की।

उपचार के दौरान 24 जून 2023 को हैलट अस्पताल कानपुर में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त बांका बरामद किया था। विवेचना के बाद आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया गया।

मामले की सुनवाई स्पेशल जज डकैती गगन कुमार भारती की अदालत में हुई। अदालत ने माना कि सभी आरोपियों ने एकराय होकर जुगलकिशोर पर हमला किया था।

वहीं बचाव पक्ष ने आरोपियों को परिवार का जिम्मेदार बताते हुए कहा कि उनके ऊपर परिवार के सदस्य आश्रित हैं। वे आदतन अपराधी नहीं हैं। सुनवाई के बाद अदालत ने चारों को दोषी करार दिया था। सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए तारीख तय की गई थी।

विधानसभा चुनाव से पहले 28 इंस्पेक्टर बांदा से जाएंगे बाहर

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर पुलिस विभाग में निरीक्षकों के तबादले की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है।

एक जिले में तीन साल या इससे अधिक समय से तैनात निरीक्षकों को दूसरे जनपदों में भेजने की तैयारी है। बांदा में ऐसे 28 निरीक्षक चिह्नित किए गए हैं। इनके स्थान पर दूसरे जिलों से निरीक्षकों की तैनाती होगी।

बांदा जिले में वर्तमान में करीब 41 निरीक्षक थानों और विभिन्न पुलिस शाखाओं में तैनात हैं। इनमें से 28 निरीक्षक ऐसे हैं, जो



जिले में तीन साल या इससे अधिक समय से सेवाएं दे चुके हैं। हाईकोर्ट के आदेश के बाद आगामी विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए स्थानांतरण की कवायद शुरू हुई है।

पुलिस विभाग ने संबंधित निरीक्षकों का कार्यकाल खंगालकर सूची तैयार कर ली है। तबादले की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जिले के कई थानों और पुलिस शाखाओं में नए निरीक्षकों की तैनाती होगी।वहीं, बांदा से जाने वाले निरीक्षकों को दूसरे जिलों में जिम्मेदारी मिलेगी। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने बताया कि जिले में करीब 28 निरीक्षक तीन साल या इससे अधिक समय तक तैनाती की अवधि पूरी कर चुके हैं। स्थानांतरण प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची का होगा सत्यापन

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के तहत वर्ष 2024 के सर्वेक्षण के आधार पर तैयार लाभार्थियों की सूची का सत्यापन कराया जाएगा। भारत सरकार की ओर से निर्धारित वरीयताक्रम के अनुसार सूची विकासखंड स्तर पर उपलब्ध करा दी गई है।

खंड विकास अधिकारियों के निर्देशन में ग्राम पंचायत सचिव लाभार्थियों का सत्यापन करेंगे। इसके अलावा मुख्य विकास अधिकारी स्तर से सूची का रैंडम सत्यापन करने के लिए चार जिला स्तरीय अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिला विकास अधिकारी कविता तिवारी को तिंदवारी व जसपुरा, परियोजना निदेशक राजेश को बड़ोखरखुर्द व महुआ, उपायुक्त मनरेगा करुणाकर अदीब को बिसंडा व नरैनी तथा उपायुक्त एनआरएलएम दिवाकर सिंह को बबेरू व कमासिन विकासखंड की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के तहत पात्रों को आवास निशुल्क स्वीकृत किए जाते हैं। सत्यापन या आवास स्वीकृति के नाम पर कोई धनराशि मांगता है तो संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी या प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दें।

सड़क चौड़ीकरण में बाधा बने मकान पर चला बुलडोजर

टी0आई0एल0 संवाददाता

हमीरपुर। सुमेरपुर–बांदा स्टेट हाईवे के चौड़ीकरण में बाधा बन रहे मकान के अतिक्रमण वाले हिस्से को लोक निर्माण विभाग ने बुलडोजर से ढहा दिया। इस दौरान नायब तहसीलदार अजय कुमार मौजूद रहे। वहीं मकान मालिक ने कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि उसका मामला अदालत में विचाराधीन है। बिना किसी आदेश के मकान पर बुलडोजर चलाया गया है। नायब तहसीलदार ने बताया कि लोक निर्माण विभाग की ओर से सुमेरपुर–बांदा स्टेट हाईवे का



चौड़ीकरण कराया जा रहा है। पंधरी गांव में सड़क की जद में आ रहे 60 से अधिक मकानों को जनवरी माह में चिह्नित किया गया था। इनमें एक मकान को छोड़कर सभी मकान मालिकों ने चौड़ीकरण की जद में आ रहे हिस्से को स्वयं हटा लिया था। गांव निवासी मुन्नू लाल अपना अतिक्रमण नहीं हटा रहे थे।उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग की ओर से मकान मालिक को तीन बार नोटिस दिया गया था। उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था। इसके लिए करीब तीन माह का समय भी दिया गया लेकिन उन्होंने अतिक्रमण नहीं हटाया।

लोक निर्माण विभाग की टीम ने मकान के हिस्से को ढहा दिया। कार्रवाई के दौरान लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता सत्यपाल सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

गोहांड में फैक्टरी लगाने से पहले हेमंत ने तलाशे ठिकाने

टी0आई0एल0 संवाददाता

उरई। गुलाब जल बनाने की आड़ में नशीले पदार्थों की फैक्टरी चलाने के मामले में पुलिस की जांच में नए खुलासे हो रहे हैं। गोहांड में फैक्टरी लगाने की तैयारी कर रहा हेमंत पुलिस की भनक लगते ही वहां से भाग गया था। इसके बाद उसने उरई में ठिकाना बनाया और अपने पुराने परिचितों के जरिए कारोबार का नेटवर्क तैयार करना शुरू कर दिया। इसी दौरान गांधी इंटर कॉलेज में साथ पढ़े रमपुरा निवासी शैलेंद्र सिंह पाल से उसकी दोबारा मुलाकात हुई। बेरोजगारी से जूझ रहे शैलेंद्र को हेमंत ने करोड़ों रुपये कमाने का सपना दिखाया। इसके बाद दोनों ने मिलकर गुलाब जल बनाने के लाइसेंस और फैक्टरी लगाने की कागजी प्रक्रिया पूरी की। पुलिस के मुताबिक इसी कारोबार की आड़ में नशीले पदार्थ बनाने का खेल शुरू हुआ।

बताया जा रहा है कि हेमंत पहले गोहांड में ही ड्रग्स फैक्टरी लगाने की योजना बना रहा था, लेकिन पुलिस को इसकी भनक लगने पर उसने अपना ठिकाना बदल दिया। उरई पहुंचने के बाद उसकी मुलाकात शैलेंद्र से हुई। दोनों पहले एक ही स्कूल में पढ़ते थे, इसलिए पुरानी जान–पहचान फिर से दोस्ती में बदल गई। बातचीत के दौरान हेमंत ने शैलेंद्र को बताया कि वह

जलभराव से बर्बाद हो रही फसलें



टी0आई0एल0 संवाददाता

चित्रकूट। कई वर्षों से किसानों की जमीनों में पानी भर रहा है, जिससे फसलें बर्बाद हो रही हैं। परेशान ग्रामीणों ने अब सत्याग्रह शुरू कर दिया है। एसडीएम पहुंचे और किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन किसान अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। धर्मेंद्र कुमार भास्कर के नेतृत्व में झुरही नदी चेकडैम के पास क्रमिक जल सत्याग्रह आंदोलन एवं अनिश्चितकालीन अनशन दूसरे दिन भी जारी रहा। सपा के पूर्व विधायक वीर सिंह पटेल भी किसानों के साथ धरने में बैठे रहे। पूर्व विधायक ने कहा कि जब तक किसानों की मांगें पूरी नहीं होंगी, सत्याग्रह में बैठे रहेंगे।

इसके बाद आंदोलन स्थल पर उपजिलाधिकारी मऊ आरआर रमन पहुंचे और अनशन समाप्त करवाने का प्रयास किया, लेकिन आंदोलनकारी अपनी जायज मांगों को लेकर डटे रहे। रामकेश ने कहा कि गुंता बांध परियोजना में अधिग्रहित किसानों की जमीन का उचित एवं न्यायसंगत मुआवजा तत्काल दिया जाए।

दिल्ली से आए श्रमिक ने फंदा लगाकर दी जान

टी0आई0एल0 संवाददाता

हमीरपुर। दिल्ली से लौटे श्रमिक ने रात कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन आत्महत्या का कारण नहीं बता पाए हैं।

कस्बा के वार्ड 10 पालीवाल मोहल्ला निवासी उमाशंकर उर्फ लाला कबीर (24) दिल्ली में रहकर मजदूरी करता था। परिजन ने बताया कि वह त्योहार मनाने दिल्ली से घर आया था। रात में कमरे में जाकर फंदा लगा लिया। बताया कि वह तीन भाई थे। अभी अविवाहित था। माता पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रिंस दीक्षित ने बताया की युवक के आत्महत्या करने की सूचना मिली थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

DOLBY INFOTAINMENT
Where brands become Legends
Cricket Advertising
TV & Radio Advertising
Multiplex Advertising
Outdoor Advertising
Social Media Advertising
Transit Media Advertising
INDIA'S LEADING
ADVERTISING AGENCY
Call us: 0522-4010 844 | 7985907267 | 8318924761
Website: dolbyinfotainment.com | Email: dolbyinfotainment@gmail.com

धनतेरस पर बरसा धन, करीब 50 करोड़ का कारोबार



टी0आई0एल0 संवाददाता

उन्नाव। धनतेरस पर जिले के बाजारों में जमकर धनवर्षा हुई। सुबह से ही सराफा, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, कपड़ा और ऑटोमोबाइल बाजार में खरीदारी शुरू हो गई। दिन चढ़ने के साथ बाजारों में ग्राहकों की भीड़ बढ़ती गई। शाम होते–होते प्रमुख बाजारों में भारी भीड़ हो गई। देर रात तक दुकानों पर खरीदारों का पहुंचना जारी रहा। इस बार धनतेरस पर जिले में करीब 50 करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है।

सोने और चांदी के दाम अधिक होने के बाद भी लोगों के उत्साह में कमी नहीं दिखी। ग्राहकों ने सामर्थ्य के अनुसार सोने–चांदी के आभूषण, सिक्के और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी की। दोपहिया वाहनों से लेकर कार, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान, मोबाइल और कपड़ों की दुकानों पर भी खूब बिक्री हुई।

कारोबारियों ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए छूट के साथ उपहार भी दिए। धनतेरस पर नई वस्तु खरीदने की परंपरा के चलते लोगों ने जरूरत के सामान के साथ त्योहार की खरीदारी भी की। जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के जिलाध्यक्ष रजनीकांत श्रीवास के मुताबिक धनतेरस पर करीब 50 करोड़ का कारोबार हुआ है।

प्रयागराज से चलने वाली 70 से अधिक एसी बसों की ऑनलाइन बुकिंग ठप

टी0आई0एल0 संवाददाता

प्रयागराज । त्योहारी सीजन में घर आने–जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक तरफ जहां प्रमुख रूटों की स्पेशल ट्रेनें पूरी तरह पैक हैं, वहीं दूसरी तरफ रोडवेज की ऑनलाइन बस सेवाओं का लाभ भी यात्रियों को नहीं मिल पा रहा है। प्रयागराज क्षेत्र से संचालित होने वाली 70 से अधिक एसी बसों में से एक भी बस ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है। यह हाल तब है जब निगम मुख्यालय के स्पष्ट निर्देश हैं कि 80 फीसदी ऑनलाइन बस सेवाएं अनिवार्य रूप से संचालित होनी चाहिए लेकिन धरातल पर इन आदेशों की खुलेआम अनदेखी हो रही है।

रोडवेज प्रयागराज रीजन के जीरोरोड, सिविल लाइंस, प्रयाग, मिर्जापुर, प्रतापगढ़ और लीडर रोड समेत विभिन्न डिपो से लखनऊ और दिल्ली समेत प्रमुख मार्गों के लिए 75 एसी बसों का संचालन किया जाता है, जिसमें सबसे अधिक बसें लखनऊ के लिए चलती हैं। वर्तमान में



ऑनलाइन पोर्टल और एप पर इन सरकारी बसों की सेवाएं नजर नहीं आने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं ऑनलाइन एप पर सबसे पहले निजी बसों की सेवाएं दिखती हैं। यात्री रोडवेज की बसें तलाशते रह जाते हैं, लेकिन उन्हें विकल्प नहीं मिलता। त्योहार के इस व्यस्त सीजन में बसों की कमी और ऑनलाइन बुकिंग न होने का फायदा उठाते हुए निजी बस संचालक यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। गुरुग्राम स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत प्रयागराज के मयंक रस्तोगी ने बताया कि वह एसी स्लीपर बस से छह नवंबर को प्रयागराज पहुंच रहे है। इसके लिए उन्होंने 3800 रुपये का टिकट लिया। बसों का समय निर्धारित रहता है लेकिन जाम की स्थिति बनने से समय सारिणी प्रभावित हो जाती है। इससे बसों को ऑनलाइन बुकिंग के लिए उपलब्ध नहीं कराया जाता है।

बैटरी वाली झालरों से रोशन होगा रोशनी का त्योहार

टी0आई0एल0 संवाददाता

हरदोई। दिवाली के लिए बाजार में विभिन्न प्रकार की विद्युत झालरें सज गई हैं। इस बार बिजली की पारंपरिक लड़ियों की जगह बैटरी चलित झालरों ने ले ली है। शहर के बाजारों में इन आधुनिक झालरों की मांग बनी हुई है। बिना बिजली के घंटों तक जगमगाने वाली ये झालरें लोगों की पहली पसंद हैं। बल्ब झालरों की जगह अब एलईडी लाइट वाली झालरों का रुझान बढ़ चुका है।

बाजार में 45 से अधिक प्रकार की झालरें उपलब्ध हैं। एलईडी झालरें 10 से 90 मीटर तक की लंबाई में मिलती हैं। ग्राहक 40 मीटर लंबी आठ एमएम की एलईडी बल्ब की झालर खूब पसंद कर रहे हैं। इनकी कीमत 140 रुपये से शुरू होकर 200 रुपये तक है। पारंपरिक पट्टे वाली झालर के स्थान पर मोटी एलईडी की लड़ी भी आई है। इसकी कीमत 400 रुपये से शुरू हो रही है।

झालरों के थोक व्यापारी खुशबूद्दीन ने बताया कि बैटरी से जलने वाली झालरें लोगों को बहुत लुभा रही हैं। इन्हें छोटे कमरों, मंदिरों और दरवाजों के आसपास लगाने में सुविधा रहती है। बिजली की तारों के बिना इनका इस्तेमाल आसान है। बिजली से चलने वाली झालरों में भी कई बनावट मौजूद हैं। कुछ झालरों में एक से अधिक रंगों की रोशनी के साथ चमकने की सुविधा भी है। रिमोट से चलेगी एलईडी, बदलेगी रंग और डिजाइन

बाजार में कई तरह की एलईडी लाइट उपलब्ध हैं। इनमें रिमोट से संचालित होने वाली रंग–बिरंगी एलईडी लाइट लोगों को आकर्षित कर रही है।

दिवाली पर झुलसने वालों के इलाज के लिए चार बेड का बर्न वार्ड तैयार

टी0आई0एल0 संवाददाता

फतेहपुर। दिवाली पर आतिशबाजी और आगजनी की घटनाओं में झुलसने वाले मरीजों को उपचार उपलब्ध कराने के लिए जिला अस्पताल ने विशेष इंतजाम किए हैं। महिला वार्ड के प्रथम तल पर चार बेड का अस्थायी बर्न वार्ड तैयार किया गया है।

यहां गंभीर रूप से झुलसे मरीजों को भर्ती कर उपचार दिया जाएगा। बर्न वार्ड में डॉक्टरों की इमरजेंसी ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही जरूरी दवाओं और उपचार सामग्री का पर्याप्त स्टॉक भी उपलब्ध कराया गया है। पांच से अधिक पैरामेडिकल कर्मचारियों की 24 घंटे तैनाती रहेगी, जिससे मरीजों को इलाज के लिए इंतजार न करना पड़े।

सीएमएस डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि दिवाली को देखते हुए बर्न वार्ड तैयार किया गया है। डॉक्टरों और



स्वास्थ्यकर्मियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। झुलसे मरीजों के उपचार में कोई परेशानी न हो, इसके लिए दवाओं और जरूरी संसाधनों का पर्याप्त इंतजाम किया गया है।

बच्चों की परखी जाएगी की शैक्षिक दक्षता

टी0आई0एल0 संवाददाता

अमेठी। परिषदीय विद्यालयों में कक्षा एक और दो के विद्यार्थियों की शैक्षिक दक्षता परखने के लिए दिसंबर और जनवरी में दो चरणों में निपुण आकलन कराया जाएगा। इसके माध्यम से बच्चों की पढ़ने, लिखने और गणित की क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा। शिक्षा विभाग ने इसके लिए नवंबर से जनवरी तक की कार्ययोजना तैयार की है। आकलन से बच्चों के सीखने के वास्तविक स्तर की जानकारी मिल सकेगी।

इंटरलॉकिंग के काम में मनमानी का आरोप

टी0आई0एल0 संवाददाता

रायबरेली। क्षेत्र के शीतलाबख्श खेड़ा मजरे केसौली में 210 मीटर के रास्ते में हो रहे इंटरलॉकिंग के काम में ग्रामीणों ने गड़बड़ी का आरोप लगाया है। रास्ते की इंटरलॉकिंग में दोनों किनारों पर पुरानी ईंट लगाने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

टी0आई0एल0 संवाददाता

कानपुर। सरसौल कस्बे में महाराजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सरसौल ओवरब्रिज के पास सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 26 वर्षीय बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, निहालखेड़ा गांव निवासी अंशु कुशवाहा पुत्र रामगोपाल शनिवार सुबह करीब पांच बजे रोज की तरह बाइक से विजय नगर स्थित एक कंपनी में ड्यूटी करने जा रहे थे। जैसे ही वह सरसौल ओवरब्रिज के पास आनंद भोग स्वीट्स हाउस के सामने पहुंचे। तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अंशु उछलकर हाईवे पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। हादसे में हेलमेट भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर पहुंची पीआरवी पुलिस घायल अंशु को सरसौल सीएचसी ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

Call:0522-6537101, 9839919728
e-mail:info@tvindialive.com
tvindialive.til@gmail.com
web:www.tvindialive.in
www.tvindialive.com
www.tilexpress.in
TIL Express
WEEKLY HINDI NEWSPAPER
Contact for: News Bureau,
News Reporter & Marketing Agency
Off: Sector C-1, C-25, LDA Colony, Kanpur Road , Lucknow. 226012 (U.P.)

सम्पादकीय

ओवैसी की मायावती से गठबंधन की तैयारी

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मुस्लिम और दलित वोटों को लेकर नई सियासी गोलबंदी की कोशिश तेज हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सीधे उनके मुस्लिम वोट बैंक को चुनौती देना शुरू कर दिया है। इसी के साथ ओवैसी की नजर मायावती की बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन पर है। 'भीम और मीम' के नाम से उभर रही यह पहल यूपी की सियासत में नए समीकरण बनाने और अखिलेश यादव की राजनीतिक पकड़ को चुनौती देने की कोशिश के तौर पर देखी जा रही है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं के बीच समाजवादी पार्टी लंबे समय से अपनी मजबूत राजनीतिक पकड़ का दावा करती रही है। अखिलेश यादव की राजनीति का एक महत्वपूर्ण आधार मुस्लिम–यादव समीकरण रहा है। लेकिन ओवैसी इसी समीकरण में सेंध लगाने की रणनीति के साथ मैदान में उतरते दिखाई दे रहे हैं। उनकी सभाओं में अब भाजपा से ज्यादा समाजवादी पार्टी और उसके नेतृत्व पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ओवैसी का आरोप है कि चुनाव के वक्त मुस्लिम समुदाय से समर्थन मांगा जाता है, लेकिन सत्ता और राजनीतिक हिस्सेदारी के सवाल पर उसे अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं मिलता। ओवैसी की इस आक्रामकता के पीछे 2027 का चुनावी लक्ष्य साफ दिखाई देता है। वह उन विधानसभा क्षेत्रों में लगातार सभाएं कर रहे हैं, जहां समाजवादी पार्टी का प्रभाव रहा है। बहराइच के मटेरा से लेकर कैराना, रामपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर और बिजनौर तक उनकी सभाओं का सिलसिला इसी रणनीति का हिस्सा है। कैराना की सभा में उन्होंने अखिलेश यादव पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि मुस्लिम बहुल क्षेत्रों से पहले मुस्लिम प्रतिनिधि चुने जाते थे, लेकिन अब वहां भी यादव परिवार के सदस्यों को राजनीतिक अवसर मिल रहे हैं। रामपुर में आजम खान का मुद्दा उठाकर ओवैसी ने अखिलेश यादव के नेतृत्व पर एक और सवाल खड़ा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब मुस्लिम नेताओं और कार्यकर्ताओं पर मुश्किलें आती हैं, तब समाजवादी पार्टी का नेतृत्व उतनी मजबूती से उनके साथ खड़ा नहीं होता, जितनी मजबूती से चुनाव के दौरान मुस्लिम मतदाताओं से समर्थन मांगता है। मुजफ्फरनगर दंगों का मुद्दा उठाकर भी वह अखिलेश सरकार के कार्यकाल को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं।

लेकिन ओवैसी की राजनीति का दूसरा और ज्यादा महत्वपूर्ण पहलू मायावती के साथ संभावित गठबंधन है। ।प्डप्ड के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन चाहती है। उनका कहना है कि दलितों और मुसलमानों का सामाजिक गठजोड़ स्वाभाविक राजनीतिक साझेदारी हो सकता है। पार्टी ने 2027 के चुनाव में लगभग 100 सीटों पर तैयारी करने की बात भी कही है। यहीं से यूपी की जातीय और सामाजिक राजनीति में नए समीकरण की चर्चा तेज हो जाती है। राज्य की आबादी में दलितों की हिस्सेदारी लगभग 21 प्रतिशत और मुसलमानों की हिस्सेदारी करीब 19 प्रतिशत बताई जाती है। दोनों समुदायों की सामाजिक उपस्थिति और कई विधानसभा क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव इस प्रस्तावित गठबंधन को राजनीतिक चर्चा के केंद्र में ला रहा है। हालांकि मायावती की ओर से इस गठबंधन पर सहमति का कोई औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है। ओवैसी की नजर चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी पर भी है।

देखा जाये तो ओवैसी के लिए बिहार का अनुभव भी इस रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में ।प्डप्ड ने 28 सीटों पर चुनाव लड़कर पांच सीटें जीती थीं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में भी पार्टी अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान और सीटों पर दावेदारी को लेकर अधिक सक्रिय नजर आ रही है। इसके उलट 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 95 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उसे कोई सीट नहीं मिली थी और पार्टी का कुल वोट प्रतिशत लगभग दो फीसदी रहा था। इस बीच, भाजपा भी ओवैसी की मायावती से नजदीकी की कोशिशों को राजनीतिक नजरिए से देख रही है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने इसे सकारात्मक संकेत बताते हुए कहा कि यदि ।प्डप्ड और ठैच् साथ आते हैं तो मुस्लिम मतों के विभाजन का असर समाजवादी पार्टी पर पड़ सकता है। इस तरह, अखिलेश यादव के सामने अब चुनौती सिर्फ भाजपा से मुकाबले की नहीं, बल्कि अपने पारंपरिक राजनीतिक आधार को संभाले रखने की भी है। ओवैसी मुस्लिम मतदाताओं के बीच राजनीतिक हिस्सेदारी का सवाल उठा रहे हैं, जबकि मायावती के साथ संभावित गठबंधन की चर्चा दलित राजनीति को भी इस बहस के केंद्र में ला रही है।बहरहाल, यूपी की सियासत में चुनाव से पहले गठबंधन बनते और बिगड़ते रहे हैं, लेकिन इस बार 'भीम और मीम' की चर्चा ने मुकाबले के पुराने समीकरणों को फिर बहस में ला दिया है।

ग्रीन ऊर्जा में निर्भरता का मोदी मंत्र

अशोक त्रिपाठी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत 2 नवंबर को कहा कि पिछले एक दशक में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में किए गए निवेश और विकसित किए गए बुनियादी ढांचे की वजह से भारत पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक प्रभावों का बेहतर तरीके से सामना कर सका है। उन्होंने कहा कि यदि भारत ने बीते वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं में निवेश नहीं किया होता, तो मौजूदा वैश्विक संकट का असर देश की अर्थव्यवस्था पर कहीं अधिक गंभीर हो सकता था। नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं प्रदर्शनी–2026 का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने ऊर्जा सुरक्षा को आर्थिक सुरक्षा से जोड़ते हुए कहा कि भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए दुनिया को जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करनी होगी और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी से लेकर पश्चिम एशिया में जारी संकट तक, पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था ने कई असाधारण चुनौतियों का सामना किया है। भारत ने पिछले दस वर्षों में घरेलू स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा में निवेश और नीतिगत सुधार किए हैं। इन्हीं प्रयासों के कारण देश बाहरी झटकों से निपटने की बेहतर स्थिति में है। पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है। वर्ष 2030 तक भारत के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के अवसर पैदा हो सकते हैं। इसमें सौर और पवन ऊर्जा उत्पादन, बिजली के भंडारण, ट्रांसमिशन नेटवर्क, विनिर्माण और नई तकनीकों के विकास जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

मोदी ने स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने वर्ष 2025 में ही अपनी स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता का 50 प्रतिशत गैर–जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य हासिल कर लिया था। यह लक्ष्य पेरिस जलवायु समझौते के तहत वर्ष 2030 के लिए निर्धारित किया गया था, जिसे भारत ने पांच वर्ष पहले पूरा कर लिया। गैर–जीवाश्म ऊर्जा में सौर, पवन, जलविद्युत और परमाणु ऊर्जा जैसे स्रोत शामिल हैं। मोदी ने बताया कि भारत की गैर–जीवाश्म ऊर्जा क्षमता अब लगभग 300 गीगावाट तक पहुंच चुकी है और देश की कुल स्थापित बिजली क्षमता में इन स्रोतों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक हो गई है। मोदी ने अगले 10 से 11 वर्षों में 500 गीगावाट अतिरिक्त गैर–जीवाश्म ऊर्जा क्षमता विकसित करने का लक्ष्य भी सामने रखा। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन उन्हें देश की क्षमता पर भरोसा है।

प्रधानमंत्री ने घरों में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि फरवरी 2024 में शुरू की गई इस योजना के तहत अब तक 65 लाख से अधिक परिवार इससे जुड़ चुके हैं। योजना का लक्ष्य एक करोड़ घरों की छतों पर सौर पैनल लगाना है। मोदी के मुताबिक, हर छह दिन में लगभग एक लाख नए परिवार इस सौर ऊर्जा अभियान से जुड़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि योजना के लाभार्थी परिवारों के बिजली बिल में औसतन करीब 76 प्रतिशत तक कमी आई है। कुछ परिवारों के बिजली बिल शून्य तक पहुंच गए हैं, जबकि कुछ अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर उससे आय भी प्राप्त कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए केवल बिजली उत्पादन के क्षेत्र में बदलाव पर्याप्त नहीं है। खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाली गैस पर आयात निर्भरता कम करना भी जरूरी है। इसी संदर्भ में उन्होंने 'क्लीन कुकिंग मूवमेंट' यानी स्वच्छ खाना पकाने के अभियान का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप, आईआईटी, शोधकर्ताओं और उद्यमियों से ऐसे मॉडल और उपकरण विकसित करने की अपील की, जिनसे परिवार अपनी छतों पर लगे सौर पैनलों से पैदा होने वाली बिजली का इस्तेमाल खाना पकाने में कर सकें।



प्रधानमंत्री ने इलेक्ट्रिक वाहनों को भी स्वच्छ ऊर्जा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि घरों में सौर बिजली पैदा होने से लोगों को अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर, बाइक और कार चार्ज करने में सुविधा मिल सकती है। इससे मध्यम वर्ग के परिवारों के ईंधन खर्च में कमी आएगी और परिवहन क्षेत्र में पेट्रोल–डीजल की खपत भी घटेगी। मोदी ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा का लाभ केवल बड़े बिजली संयंत्रों या उद्योगों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे आम नागरिकों के दैनिक जीवन से जोड़ना होगा। इसी क्रम में उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, सरकारी इमारतों और सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था को भी सौर ऊर्जा से जोड़ने की जरूरत बताई। कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल को लेकर प्रधानमंत्री ने किसानों से केवल सौर पंपों तक सीमित न रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान अपनी खाली जमीन और खेतों की मेड़ों पर सौर पैनल लगाकर बिजली का उत्पादन कर सकते हैं। इससे उनकी सिंचाई और दूसरी कृषि जरूरतों के लिए बिजली उपलब्ध होगी और अतिरिक्त बिजली बेचकर आय का नया स्रोत भी तैयार हो सकता है। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री कुसुम योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत 30 लाख से अधिक किसानों को सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई सुविधाओं का लाभ मिला है।

उन्होंने किसानों को अन्नदाता के साथ–साथ ऊर्जादाता बनाने की अपनी परिकल्पना भी सामने रखी। इसके अलावा पशुपालन, चारा तैयार करने, फसल कटाई और कटाई के बाद की प्रक्रियाओं में भी सौर ऊर्जा से चलने वाले उपकरण विकसित करने पर जोर दिया।



महंगाई-बेरोजगारी से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा निकाल रही पदयात्रा : अखिलेश



टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि भाजपा पदयात्रा के नाम पर सत्ता संरक्षण में पूरे प्रदेश में अराजकता फैला रही है। भाजपा के पास महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अन्याय, अत्याचार का कोई जवाब नहीं है। इसीलिए सड़क पर उतर कर जनता को भ्रमित कर रही है। इस अराजकता से व्यापारी, छात्र, आम जनता सभी परेशान है।

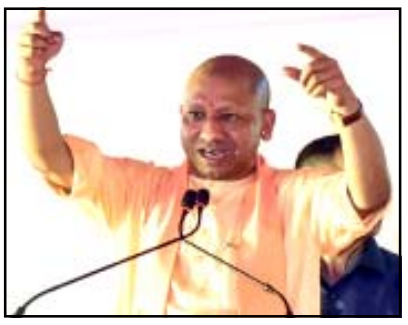
सपा प्रमुख ने पार्टी मुख्यालय पर बैठक में कहा कि भाजपा की पदयात्रा ने लखनऊ में 'ट्रैफिक अराजकता' फैलाकर लोगों को तकलीफ पहुंचाई है। इसी तरह से त्योहारी सीजन में पदयात्रा करके पहले से ही जाम से परेशान कानपुर शहर में अराजकता फैलाने का काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि 10 साल की सरकार के बावजूद भाजपा के पास जनता को बताने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। उन्होंने निर्वाचन आयोग से मांग करते कहा कि आधार कार्ड को बायोमेट्रिक के जरिए मतदाता सूची से जोड़ा जाना चाहिए। आधार कार्ड मेटल का बनाया जाए, जिससे उसका डुप्लीकेट न बन सके। आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद अब चुनाव आयोग फार्म–6 के जरिए भाजपा के मतदाताओं की संख्या बढ़ाने की साजिश कर रहा है। गोस्वामी समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने सपा प्रमुख से मुलाकात की। सपा प्रमुख ने कहा कि ब्रज क्षेत्र को हेरिटेज के रूप में विकसित किया जाएगा।

प्रदेश के कर्मचारियों को तीन प्रतिशत डीए बढ़ोत्तरी का तोहफा

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों को दीपावली के अवसर पर बड़ी सौगात दी है। प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्यप्रभारित कर्मचारियों तथा यूजीसी वेतनमान पर कार्यरत पदधारकों का महंगाई भत्ता (डीए) 3 प्रतिशत बढ़ा दिया है। अब कर्मचारियों को 60 प्रतिशत के स्थान पर 63 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। बढ़ी हुई दर 1 जुलाई 2026 से प्रभावी होगी। इस संबंध में शासनादेश भी शनिवार को जारी किया गया है। बढ़े हुए महंगाई भत्ते का भुगतान नवंबर 2026 के नियमित वेतन के साथ किया जाएगा।

सरकार के इस फैसले से प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। योगी सरकार का यह निर्णय प्रदेश के नियमित कर्मचारियों के साथ सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों, शहरी स्थानीय निकायों और अन्य पात्र कर्मचारी वर्गों को भी राहत देने वाला है। शासनादेश के अनुसार, 1 जुलाई से 31 अक्टूबर 2026 तक बढ़े हुए महंगाई भत्ते के एरियर के भुगतान के लिए अलग–अलग श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए व्यवस्था निर्धारित की गई है। सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) से जुड़े कर्मचारियों के एरियर की राशि आयकर एवं सरचार्ज की कटौती के बाद निर्धारित सीमा के अंतर्गत उनके भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी। यह राशि 1 नवंबर 2027 तक खाते में जमा रहेगी। विशेष परिस्थितियों में अंतिम प्रत्याहरण के नियम लागू होंगे।राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) से आच्छादित कर्मचारियों के मामले में एरियर की 10 प्रतिशत राशि उनके टियर–1 पेंशन खाते में जमा की जाएगी। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार नियोक्ता के रूप में एरियर की 14 प्रतिशत राशि के बराबर अंशदान भी टियर–1 खाते में जमा करेगी।



शेष 90 प्रतिशत राशि पीपीएफ खाते में जमा कराई जाएगी अथवा एनएससी के रूप में दी जाएगी। एनएससी उपलब्ध न होने की स्थिति में संबंधित राशि नकद प्रदान की जाएगी। सरकार ने सेवानिवृत्त और सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच चुके कर्मचारियों को विशेष राहत दी है। शासनादेश जारी होने से पहले जिन कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त हो चुकी हैं, जो 1 जुलाई 2026 से शासनादेश जारी होने की तारीख के बीच सेवानिवृत्त हुए हैं अथवा अगले छह माह के भीतर सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उन्हें महंगाई भत्ते के बकाये की पूरी धनराशि नकद दी जाएगी।



धनतेरस पर बाजार ने की 3500 करोड़ की कमाई

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। धनतेरस पर राजधानी के बाजारों में जमकर धन बरसा। सराफा, ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा बाजार में करीब 3500 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। हजरतगंज, अमीनाबाद, पत्रकारपुरम के साथ भूतनाथ बाजार में सुबह से देर रात तक दुकानों और शोरूम में खरीदारों की भीड़ उमड़ी रही। किसी ने सोने–चांदी के गहने खरीदे तो किसी के घर नई कार और बाइक पहुंची। बर्तन, ड्राई फ्रूट, गिफ्ट और पटाखों की भी खूब बिक्री हुई। जबरदस्त कारोबार से कारोबारियों के चेहरे खिले रहे। आज और कल भी अच्छा कारोबार होने की उम्मीद



है। चौक, अमीनाबाद, हजरतगंज, आलमबाग, इंदिरानगर, अलीगंज समेत शहर के सभी सराफा बाजार ग्राहकों से गुलजार रहे। धनतेरस पर लोग चांदी के लक्ष्मी–गणेश, सिक्के व पूजा के बर्तन खरीदकर घर ले गए। सराफ रविंद्रनाथ रस्तोगी, रवि केसरवानी ने बताया कि इस बार हल्की चेन, अंगूठी, कान के टॉप्स और छोटे डिजाइन के जेवरों की मांग अच्छी रही। चांदी के चम्मच, गिलास, प्लेट भी खूब बिकी। धनतेरस पर सोने–चांदी के भाव में गिरावट ने सराफा बाजार की रौनक बढ़ा दी। एक दिन पहले तक 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव में बिक रहा सोना घटकर 1.46 लाख रुपये पर आ गया। चांदी का भाव भी 1.94 लाख रुपये प्रति किलो से टूटकर 1.92 लाख रुपये आ गया। लखनऊ सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंद्र नाथ रस्तोगी और वरिष्ठ उपाध्यक्ष (चौक) के आदीश कुमार जैन ने बताया कि भाव में गिरावट से ग्राहकों का रुझान बढ़ा।

लाखों दीपों की स्वर्णिम आभा से होगा विजय का उद्घोष, एकात्मता का प्रतीक बनेगा दीपोत्सव : योगी

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव के अवसर पर अयोध्या पहुंचे उपराष्ट्रपति, विदेशी राजनयिकों, साधु–संतों और देश–विदेश से आए रामभक्तों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सरयू तट पर बसी धर्मनगरी अयोध्या दिव्य दीपोत्सव के लिए पूरी तरह सज चुकी है।

राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे। सहस्रनाम तत्तुल्यं रामनाम वरानने। आज पावन, पुण्यसलिला माँ सरयू की गोद में बसी धर्मनगरी श्री अयोध्या धाम अलौकिक उल्लास, गौरव और भक्ति के महाकुंभ दिव्य दीपोत्सव हेतु पूर्ण रूप से सज्जित है। वर्षों की प्रतीक्षा और करोड़ों सनातनी आस्थाओं का यह पावन प्रतिफल आज पुनः लाखों दीपों की स्वर्णिम आभा बनकर अंधकार पर प्रकाश, सत्य और धर्म की शाश्वत विजय का उद्घोष करने जा रहा है। अवधपुरी का कण–कण आज



आह्लादित है, स्पंदित है। इस दिव्य–भव्य आयोजन की गरिमा बढ़ाने पधार रहे माननीय उपराष्ट्रपति जी, विभिन्न मित्र देशों के सम्मानित राजदूत, उच्चायुक्त, राजनयिक एवं देश–विदेश से पधारे समस्त विशिष्ट अतिथियों, पूज्य साधु–संतों व रामभक्तों का प्रभु श्री राम की पावन जन्मभूमि पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है। समता, समरसता, सांस्कृतिक एकात्मता और वसुधैव कुटुम्बकम के इस पावन पर्व में आप सभी का सान्निध्य इस दीपोत्सव को ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बनाएगा।

बिजली चोरी पकड़ने पहुंची टीम का अनोखा स्वागत, गाड़ियों में डाला फेविक्विक और बालू

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। यूपी के लखनऊ के सआदतगंज में बिजली चोरी की जांच करने पहुंची लेसा और विजिलेंस की संयुक्त टीम को अजीबोगरीब स्थिति का सामना करना पड़ा। टीम जब चेकिंग कर रही थी, तभी किसी ने बाहर खड़ी कर्मचारियों की बाइकों के लॉक में बालू और फेवीक्विक डाल दिया। इससे सभी बाइकों के लॉक जाम हो गए। हालात ऐसे बने कि कर्मचारियों को अपनी बाइकें ई–रिक्शा पर लादकर ले जानी पड़ीं। घटना के बाद बिजली विभाग ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

लखनऊ के सआदतगंज इलाके में बिजली चोरी पकड़ने पहुंची लेसा और विजिलेंस की संयुक्त टीम के साथ खेला हो गया। दरअसल, चावल वाली गली में चेकिंग अभियान के दौरान अज्ञात लोगों ने कर्मचारियों की बाइकों के लॉक में बालू और फेवीक्विक डाल दी। इससे सभी बाइकों के लॉक जाम हो गए। जांच पूरी कर जब कर्मचारी वापस लौटे तो काफी कोशिश के बाद भी बाइक के लॉक नहीं खुले। आखिरकार कर्मचारियों को अपनी बाइकें ई–रिक्शा पर लादकर वहां से ले जानी पड़ीं। बिजली विभाग ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

बिजली विभाग की टीम ने शहर के दूसरे इलाकों में भी चोरी के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान आलमबाग में 51 कनेक्शन जांचे गए, जिनमें 10 मामलों में मीटर बाईपास कर बिजली चोरी किए जाने का मामला सामने आया।

सपा की पूर्व सांसद की बेटी अनुपमा सरोज का वीआरएस मंजूर

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अनुराग भदौरिया की पत्नी और पूर्व सपा सांसद सुशीला सरोज की बेटी अनुपमा सरोज अब सक्रिय राजनीति में उतर सकती हैं। राज्य कर विभाग में डिप्टी कमिश्नर के पद पर तैनात अनुपमा सरोज का स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) आवेदन शासन ने मंजूर कर लिया है।इसके बाद उनके सीतापुर की सिधौली विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सिधौली सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। हालांकि, अभी तक उनके चुनाव लड़ने को लेकर पार्टी या उनकी ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।अनुपमा सरोज का राजनीतिक कनेक्शन पहले से ही मजबूत है।

अंधेरे पर उजाले की जीत

डा0 उदय प्रताप सिंह तोमर

प्रकाश ज्ञान का प्रतीक है। इसीलिए हमारे पूर्वजों ने अंधकार से प्रकाश की तरफ बढ़ने का संदेश दिया। दीपावली के शुभ अवसर पर प्रत्येक घर में भगवान गणेश और लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। भारत देश के निवासी दिवाली के त्यौहार को किसी अन्य देश में रहने पर भी बड़े धूमधाम से मनाते है। दिवाली को भारत में पांच दिन मनाया जाता है।

दीपावली मुख्यतः हिन्दू धर्म के लोगों के द्वारा मनाई जाती है। यह हिन्दुओं का सबसे बड़ा त्यौहार है। यह पर्व देश के छोटे बड़े सभी नागरिकों के द्वारा बड़े हर्ष–उल्लास के साथ मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष यह त्यौहार कार्तिक मास अमावस्या को मनाया जाता है। "दीपावली" दीपों का त्यौहार है इस दिन पूरे भारत देश में विभिन्न प्रकार की कलर–फुल लाइटों और दीयों से घर को सजाया जाता है। दीपावली के त्योहार के कुछ समय पहले लोगों के द्वारा घर में साफ–सफाई का कार्य किया जाता है विभिन्न लोगों के द्वारा तो आपने घरों में विभिन्न प्रकार की सजावटें की जाती है। अन्य धर्मों के अनुयायी भी इस त्यौहार को अलग–अलग रूप में मनाते हैं। बड़ी उत्सुकता के साथ सभी नागरिकों के द्वारा इस त्यौहार का इन्तजार किया जाता है। अंधेरे से उजाले की तरफ बढ़ने का यही संदेश है।

भारत देश में अनेक प्रकार के त्यौहार मनाये जाते है लेकिन उन सभी त्योहारों में सबसे बड़ा त्यौहार



दिवाली का त्यौहार है। पौराणिक कथाओं के अनुसार दीपावली के त्यौहार को इसलिए मनाया जाता है की 14 वर्ष के वनवास और रावण का वध करके भगवान श्री राम अपनी जन्मभूमि अयोध्या लौटे थे। इसलिए वहां के लोगों के द्वारा इस दिन घी के दिए जलाये गए थे, तब से ही दीपावली का त्यौहार प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। दिवाली में विभिन्न प्रकार के उपहारों को अपने रिश्तेदारों और पड़ोसियों को भेंट किये जाने की परम्परा है। दिवाली के त्यौहार के समय कुछ अलग ही प्रकार की रौनक देश में दिखाई देती है यह सभी लोगों के एक महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक त्यौहार है। लोगों के द्वारा दीपावली को खुशी के रूप में मनाया जाता है।

दीपावली पर घरों, दुकानों को भारतवर्ष में विभिन्न प्रकार की लड़ियों और लाइटों से सजाया जाता है और इनके साथ–साथ पूरे घर में दीये भी जलाये जाते है। और घरों में अनेक प्रकार के रंगो से रंगोली भी बनाई जाती है। इस त्यौहार को मिठाई और पटाखों फुलझड़ियों के द्वारा बड़े हर्षों–उल्लास के साथ मनाया जाता है। दीपावली के त्यौहार में बाजारों में कई प्रकार की मिठाइयों को बनाया जाता है और बाजारों में दीपावली के त्योहार के समय में बहुत भीड़ भरी रहती है। सभी लोगों के द्वारा यह त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। दीपावली के शुभ अवसर में लोगों के द्वारा बड़ी मात्रा में बाजारों से खरीदारी की जाती है। इस दिन सभी लोगों के द्वारा नए–नए कपड़े भी पहने जाते है। यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक भी माना जाता है। दीपावली में दुकानों को लाइटों से खूब सजाया जाता है।

दीपावली के शुभ अवसर में हिन्दू कैलेंडर के अनुसार सूर्यास्त होने के पश्चात भगवान गणेश और माता लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। यह पूजा धन की प्राप्ति और स्वस्थ जीवन के लिए की जाती है। लक्ष्मी जी के स्वागत में उस दिन घरों में रंगोली भी बनाई जाती है। और लक्ष्मी जी की पूजा के लिए लक्ष्मी आरती की जाती है। भगवान गणेश की पूजा करने के लिए गणेश आरती की जाती है। दीपावली त्यौहार देश में बच्चे और बड़े सभी लोगों का पसंदीदा त्यौहार है। दीपावली के दो दिन पहले धनतेरस का त्यौहार मनाया जाता है। इस दिन लोगों के द्वारा किसी वस्तु के रूप में खरीदारी की जाती है और लक्ष्मी जी की पूजा को धनतेरस के दिन किया जाता है। माँ लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने के लिए लोगों के द्वारा आरती और भजन किया जाता है। इसके अगले दिन कृष्ण दीपावली के रूप में मनाई जाती है। यह दीपावली भगवान श्री कृष्ण जी की पूजा करके मनाई जाती है। कहा जाता है कि श्री कृष्ण जी के द्वारा इस दिन राक्षस राजा नरक असुर को मार दिया गया था। छोटी दिवाली के बाद मुख्य दीपावली का सेलेब्रेशन किया जाता है। उसके बाद अगले दिन को गोवर्धन पूजा के रूप में मनाया जाता है। यह पूजा भी श्री कृष्ण जी के रूप में की जाती है। इस दिन दरवाजे में लोगों के द्वारा गोबर की पूजा की जाती है और साथ ही पांचवां दिन भाई दूज या यम द्वितीया के रूप में मनाया जाता है। भाई दूज के त्यौहार को बहन और भाई के द्वारा मनाया जाता है। सभी बहनों के द्वारा इस दिन भाई की पूजा के साथ–साथ भाई को नारियल दिया जाता है और भाई की लम्बी उम्र के लिए भगवान से प्रार्थना की जाती है।

दीपावली का अर्थ होता है 'दीप' और 'प्रकाश' इसलिए सभी लोग दिवाली के त्यौहार को बड़ी शांति और सद भावना के साथ मनाये। पटाखों के जलाने से प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है और यह सबसे बड़ी गंभीर समस्या है। इस दिवाली आओ मिलकर सभी यह संकल्प लें की प्रकृति के लिए कुछ उपहार भेंट करें और यह उपहार आप पटाखों का उपयोग न करके कर सकते है। पटाखों की आवाज सुनकर बहुत से बेजबान जानवर भी डर जाते है और घर के बुजुर्ग लोग भी पटाखों की ध्वनि से परेशान हो जाते है। और इसकी आवाज से ध्वनि प्रदूषण की उत्पत्ति होती है।

देश के छोटे व्यापारियों और कुम्हारों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाकर देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में हम उनकी मदद करने के लिए इलेक्ट्रिक लाइटों का प्रयोग न करके अधिक से अधिक दीयों का प्रयोग कर सकते है।

समाज को दुर्बल करने वाले नियम-कानून

वीपी राहुल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक प्रमुख पदाधिकारी सुनील आंबेकर ने कुछ ही दिन पहले कहा था कि यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियम असंतुलित हैं। अब सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कहा कि यूजीसी नियमों को लेकर छात्रों की चिंताओं और आपत्तियों पर नए सिरे से विचार किया जा रहा है और वह इन नियमों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित करने पर भी विचार कर रही है, ताकि किसी भी वर्ग के छात्रों में असंतोष या भेदभाव की आशंका न रहे। इसी वर्ष के प्रारंभ में अधिसूचित किए गए यूजीसी के नए नियमों के अनुसार शिक्षण संस्थानों में एससी–एसटी और ओबीसी वर्ग के छात्र, कर्मचारी, शिक्षक आदि की हर शिकायत पर कार्रवाई होगी, जबकि अन्य जातियों के लोगों को यह सुविधा नहीं मिलेगी।

इनमें परोक्ष मान्यता थी कि कुछ जातियों के लोग विश्वसनीय हैं, जबकि अन्य अविश्वसनीय। आखिर शिकायत सुनने में भेदभाव क्यों करना? ऐसे नियमों पर तो डा. आंबेडकर को भी हैरत होती, क्योंकि इनमें कोई न्याय नहीं, बल्कि भेदभाव झलकता था। आधिकारिक रूप से किसी संपूर्ण जाति समूह को स्थायी रूप से दोषी, निर्दोष या विश्वसनीय, अविश्वसनीय मान लेना धक्का पहुंचाने वाली बात है। इससे बिना वजह दो समूहों में दुराव होता है।



जब किसी विश्वविद्यालय के किसी छात्र समूह ने ऐसी मांग नहीं की थी कि उसकी शिकायत पर कार्रवाई हो, जबकि दूसरे की शिकायत की उपेक्षा की जाए, तब यूजीसी के नए नियम अकारण किसी समूह के प्रति दूसरे में अनुपयुक्त भाव ही पैदा करते। कौन विवेकशील इसे उचित मानता? ऐसा कुछ संविधान निर्माताओं की कल्पना में नहीं था। तभी सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगाई। सरकार को पहले ही इस सच पर ध्यान देना चाहिए था कि ऐसे नियमों से शिक्षा संस्थानों में अस्वस्थ भाव, आपसी भय और संदेह बढ़ता। बहुत से लोग ऐसे कदमों को राजनीति प्रेरित मानते हैं। इसीलिए सभी दल इस पर एक तरह की चुप्पी या उदासीनता रखते हैं, किंतु यह वृहद हिंदू समाज के लिए अहितकर है। उसके अंदर ही विविध नेता सामाजिक न्याय के नाम पर अन्याय का दायरा बढ़ाते रहते हैं। इससे हिंदू एकता कैसे बनेगी? जब हिंदू ही एक नहीं होंगे तो देश के लिए भी इसके तात्कालिक और दूरगामी असर होंगे। समस्या यह है कि सभी दल इस व्यापक पहलू की उपेक्षा करते हैं।

यूजीसी के नए नियम तमाम शैक्षिक संस्थानों में छात्रों, शिक्षकों, कर्मियों को आपसी संदेह, डर और आक्रोश में उलझाने वाले थे। ये नियम शिक्षा संस्थानों के परिवेश को असहज ही बनाते। यदि नए नियम लागू हो जाते तो वे उन छात्रों के प्रति भी अन्याय का कारण बनते, जिनके हित का दावा करते हुए यूजीसी ने उन्हें बनाया था। इससे विशेष जातियों के शिक्षक या प्रशासक छात्रों या अधीनस्थ कर्मचारी को उसकी गलती के लिए कुछ कहने में भी डरते। उन्हें यह डर होता कि किसी भी बात पर यदि जातिगत उत्पीड़न की शिकायत हो गई तो नाहक फंसेंगे। दूरगामी दृष्टि से देखा जाए तो यूजीसी के नए नियम एक दुष्चक्र थे। ऐसे दुष्चक्र तोड़ने के बदले सभी दल उन्हें समर्थन देकर फायदे की प्रतियोगिता करते प्रतीत होते हैं। इसी से जातिवादी राजनीति फलती–फूलती है।

यूजीसी के नए नियम इसलिए भी अनावश्यक थे, क्योंकि श्अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार) कानूनश के रूप में पहले से ही एक कड़ी व्यवस्था मौजूद है। उसके प्रविधान इतने कठोर हैं कि 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में उसमें कुछ राहत दी थी, ताकि झूठी शिकायतों पर किसी को दंडित न होना पड़े। हालांकि संसद ने संविधान–संशोधन कर उस फैसले को निरस्त कर दिया। फलतरू इस कानून का दुरुपयोग बढ़ गया। आए–दिन शातिर या बदले की भावना से भरे लोग सामान्य और ओबीसी वर्ग के किसी व्यक्ति पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर ब्लैकमेल करते रहते हैं। इसलिए ऐसे सभी एकतरफा कानूनों में सुधार की जरूरत है। इन्हें सामाजिक न्याय का नाम देना न्याय को विद्रूप करना है। न्याय का स्थापित दर्शन यह है कि न्याय न केवल हो, बल्कि होता हुआ भी दिखे। जातिगत आधार पर नई–नई सुविधाओं या वंचनाओं में इस दर्शन की उपेक्षा हो रही है। एकतरफा नियम–कानून संविधान में उल्लिखित समानता के सिद्धांत और सामान्य मानवीय नैतिकता के भी प्रतिकूल हैं। कोई न्याय–दर्शन नहीं कहता कि किसी व्यक्ति को किसी समूह विशेष का होने मात्र से पहले से दोषी और संदिग्ध मान लिया जाए या किसी व्यक्ति को किसी अन्य समूह विशेष का होने मात्र से निर्दोष और सच्चा माना जाए। एक ऐसे समय असंतुलित नियम–कानून बनाना और भी अनुपयुक्त है, जब सामाजिक स्थितियां बुनियादी रूप से बदल चुकी हैं और सभी जातियों के लोग सभी तरह के काम करते पाए जाते हैं।

यह एक विडंबना ही है कि जब किसी असंतुलित सामाजिक कानूनों में न्यायपालिका कुछ सुधार भी करती है तो संविधान संशोधन कर उसे पलट दिया जाता है। अब तक कम से कम सात बार यह काम हो चुका है। यह भी उल्लेखनीय है कि यूजीसी ने शिक्षा और शिक्षकों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कोई नियम या विधि नहीं बनाई है। न संसद में इस पर कोई विधेयक आया है। न सभी छात्रों को अपनी–अपनी भाषा में भी उसी स्तर की अच्छी शिक्षा मिल सकने के लिए कभी कुछ ठोस सोचा गया है, जो अंग्रेजी में उपलब्ध है। उलटे देसी भाषाओं के साहित्य और प्रकाशनों की मात्रा, विविधता और गुणवत्ता लगातार घट रही है। जबकि भाषा शिक्षा की नींव ही नहीं, पूरी संस्कृति का आवास है। यह दिखाता है कि शिक्षा में 'भेदभाव खत्म करना' या 'समान अवसर' बनाना यूजीसी या नीतिकारों की प्राथमिकता में क्या स्थान रखता है?

कांग्रेस के सत्ता में लौटने की उम्मीद करना व्यर्थ : गिरिराज सिंह



नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस अब देश में कभी सत्ता में नहीं लौटेगी। उन्होंने सोनिया को ऐसी महत्वाकांक्षाएं छोड़ देने की भी सलाह दी।

गिरिराज ने अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में सोनिया के केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए लिखे गए लेख पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सोनिया लंबे समय से अपने बेटे राहुल गांधी को राजनीति में स्थापित करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अब उन्हें अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं छोड़ देनी चाहिए। कांग्रेस सत्ता में लौटेगी, ऐसी उम्मीद करना भी व्यर्थ है। उन्होंने सोनिया की नागरिकता को लेकर भी सवाल उठाए और उनके तथा राहुल की नागरिकता से जुड़े आरोपों का भी जिक्र किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिस कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाया था और लोगों की आवाज दबाई थी, उसी पार्टी की ओर से आज लोकतंत्र पर सवाल उठाना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस लोकतंत्र की बात करती है, जबकि उसके शासनकाल में लोकतांत्रिक अधिकारों पर अंकुश लगाया गया था।

सिंह ने कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए दावा किया कि पार्टी पिछले कई दशकों से कई राज्यों में सत्ता से बाहर है और भविष्य में भी उसकी सत्ता में वापसी की संभावना नहीं है। कांग्रेस के सत्ता में लौटने की उम्मीद करना भी व्यर्थ है।

सिंह ने सोनिया और राहुल पर देश में गृहयुद्ध जैसी स्थिति पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी ऐसी कोई भी मंशा पूरी नहीं होगी।

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर भीषण टक्कर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन जिले के चंद्रकोट के पास एक सड़क हादसे में एसएचओ समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक यात्री बस ने पुलिस वाहन को टक्कर मार दी, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में पुलिस वाहन को भी काफी नुकसान पहुंचा है। चंद्रकोट क्षेत्र में भाजपा नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा का काफिला श्रीनगर से जम्मू की ओर जा रहा था। इसी दौरान पुलिस वाहन उनके काफिले की एस्कॉर्ट ड्यूटी में शामिल हुआ था। तभी एक क्रॉसिंग के पास तेज रफ्तार बस ने पुलिस वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन हाईवे पर पलट गया। हादसे में चंद्रकोट पुलिस थाने के एसएचओ इंस्पेक्टर विक्की थापा समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना के बाद सुनील शर्मा ने अपना काफिला रुकवाया और राहत एवं बचाव कार्य में मदद की। इसके बाद सभी घायलों को जिला अस्पताल रामबन पहुंचाया गया।

ईरान ने अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन को मार गिराया



तेहरान, एजेंसी। ईरान ने भी अमेरिका को लेकर अपने तेवर सख्त कर दिए हैं। एक तरफ ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने केशम द्वीप के ऊपर एक और अमेरिकी एमक्यू–1 ड्रोन मार गिराया है। ईरान के मुताबिक, यह इस तरह का 16वां ड्रोन है, जिसे उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने निशाना बनाया है। दूसरी तरफ होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल टैंकरों पर हमलों और आग लगने की घटनाओं ने समुद्री रास्ते की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी बीच ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति की परमाणु ठिकानों पर हमले की धमकियों को वॉशिंगटन की बौखलाहट बताया है। यानी समुद्र से लेकर आसमान और परमाणु कार्यक्रम तक, ईरान–अमेरिका के बीच तनाव कई मोर्चों पर बढ़ता दिख रहा है।ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, आईआरजीसी ने बताया कि उसके नए एयर डिफेंस सिस्टम ने केशम द्वीप के दक्षिणी हवाई क्षेत्र में एक अमेरिकी एमक्यू–1 टोही और लड़ाकू ड्रोन को मार गिराया।

आर्रआरजीसी ने बयान जारी कर कहा कि उसकी सेनाएं दुश्मन की हवाई गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही हैं। खुफिया जानकारी और निगरानी के आधार पर अमेरिकी ड्रोन की पहचान की गई और उसे निशाना बनाया गया। ईरान का दावा है कि यह 16वां एमक्यू–1 ड्रोन है, जिसे उसकी सेना ने नष्ट किया है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है।

इससे पहले 3 नवम्बर को भी आईआरजीसी ने तीन अमेरिकी ड्रोन के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही थी। उसके मुताबिक, दो एमक्यूएम–170 आउटलॉ ड्रोन को केशम द्वीप के ऊपर रोका गया, जबकि एक एमक्यू–9 रीपर ड्रोन को होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्वी हिस्से में मार गिराया गया।

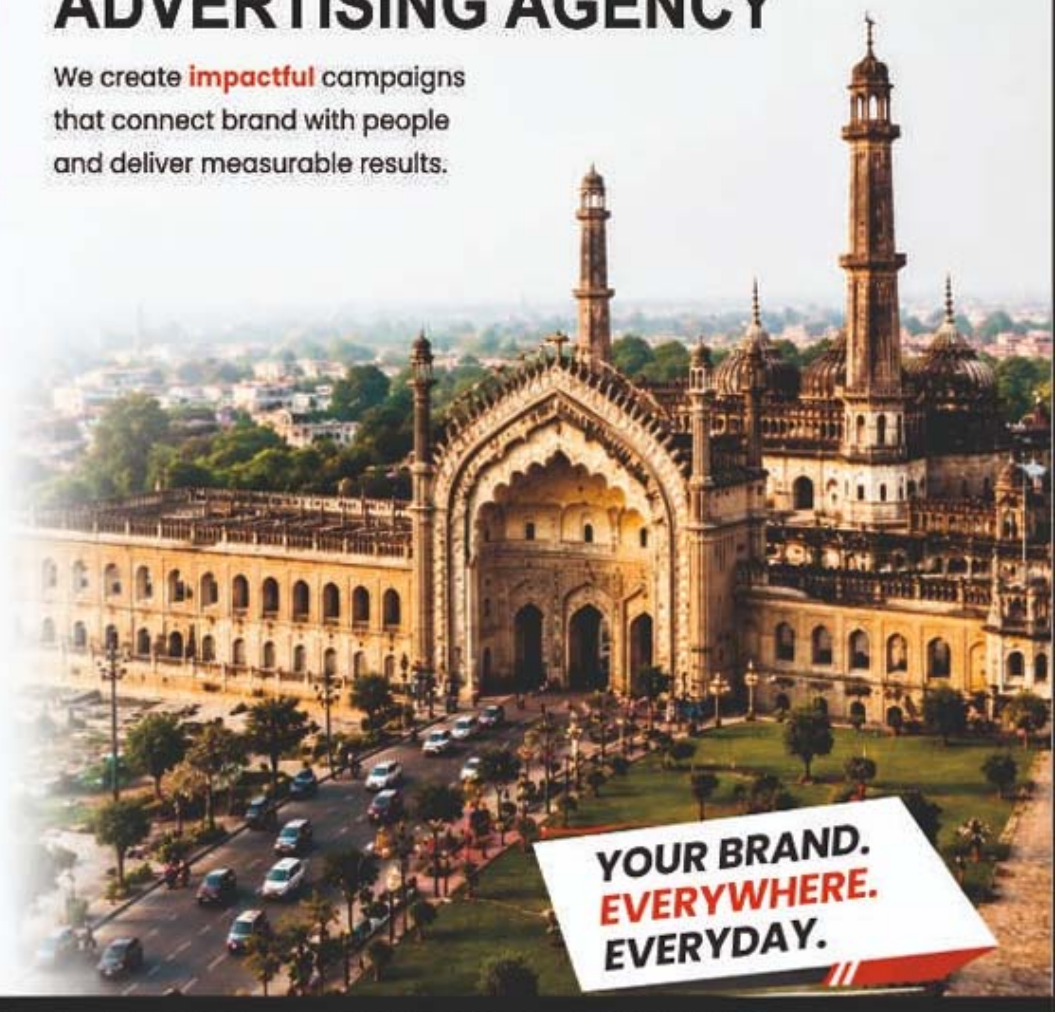
DOLBY INFOTAINMENT

INDIA'S LEADING ADVERTISING AGENCY

We create impactful campaigns that connect brand with people and deliver measurable results.

Where brands become legends

- TV & Radio Advertising
- Outdoor Advertising
- Cricket Advertising
- Multiplex Advertising
- Social Media Advertising
- Transit Media Advertising



PRINT | TV | RADIO | DIGITAL | OUTDOOR | EVENTS | ACTIVATIONS | BRANDING

Call us: 0522-4010 844
7985907267 | 8318924761

Website: dolbyinfotainment.com

Email: dolbyinfotainment@gmail.com

दीपावली व गोवर्धन पूजा की कथा

-कुमकुम शर्मा

कार्तिक महीने की अमावस्या तिथि को दीपावली का पर्व मनाया जाता है। यह वह दिन था जब भगवान श्रीराम 14 वर्षों का वनवास काटने और रावण सहित अनेक असुरों का संहार करने के बाद अयोध्या वापस आए थे। उनके अयोध्या वापस आने की खुशी में अयोध्या वासियों ने घर–घर में दीपक जलाकर इतनी रोशनी कर दी थी कि अमावस की काली रात भी जगमगा उठी थी। यह खुशी, उल्लास और रोशनी का पर्व है। पुराणों के अनुसार दीपावली की एक कथा मिलती है वह इस प्रकार है। एक साहूकार था। उसकी बेटी रोज पीपल पर जल चढ़ाने जाती थी। पीपल पर लक्ष्मी जी का वास था। एक दिन लक्ष्मी जी ने साहूकार की बेटी से कहा कि तुम मेरी सहेली बन जाओ। उसने लक्ष्मी जी से कहा कि मैं कल अपने पिता जी से पूछकर आपको बताऊँगी। पिता को जब बेटी ने यह बात बताई तो उन्होंने हाँ कर दी। दूसरे दिन साहूकार की बेटी ने लक्ष्मी जी को कहा कि मैं आपको अपनी सहेली के रूप में स्वीकार करती हूं। दोनों की अच्छी दोस्ती हो गई।

एक दिन लक्ष्मी जी साहूकार की बेटी को अपने घर ले गईं। लक्ष्मी जी ने उसे ओढ़ने के लिए शॉल–दुशाला दिया तथा सोने की बनी चौकी पर बिठाया। सोने की थाली में उसे अनेक प्रकार के व्यंजन खाने को दिये। जब साहूकार की बेटी अपने घर लौटने लगी तो लक्ष्मी जी ने पूछा कि तुम मुझे अपने घर कब बुला रही हो। पहले तो सेठ की पुत्री को संकोच हुआ कि उसके यहाँ तो इतना कुछ नहीं है लेकिन फिर वह तैयार हो गई। लेकिन घर जाकर वह बहुत उदास बैठी थी





तो उसके पिता ने पूछा कि क्या हुआ! तुम अपने घर में लक्ष्मी जी को बुलाकर आई हो और स्वयं उदास बैठी हो। उन्हें कितना खराब लगेगा। तब उसकी बेटी ने कहा कि लक्ष्मी जी ने तो मुझे इतना दिया और बहुत सुन्दर भोजन कराया था। मैं उनका सम्मान कैसे करूँगी। हमारे घर में तो ऐसा कुछ भी नहीं है।

तब सेठ ने अपनी बेटी से कहा कि जो अपने से बन पड़ेगा हम उनकी खातिर करेंगे। तुम गोबर मिट्टी से चौका लगाकर घर की सफाई कर लो। चौमुखा दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का नाम लेकर बैठ जाओ। उसी समय एक चील किसी रानी का नौलखा हार उसके पास डाल गई। साहूकार की बेटी ने उस हार को बेचंकर सोने का था, शॉल–दुशाला और अनेक प्रकार के भोजन की तैयार कर ली।

थोड़ी ही देर बाद गणेश जी और लक्ष्मी जी उसके घर पर आ गये। साहूकार की बेटी ने उनको बैठने के लिए सोने की चौकी दी। लक्ष्मी ने बैठने को मना किया, कहा कि इस पर तो राजा रानी बैठते हैं। सेठ की बेटी ने उन्हें सम्मान से उस चौकी पर बैठा दिया। उसने उनकी बहुत खातिरदारी की। जिससे लक्ष्मी जी प्रसन्न हो गईं और उनकी कृपा से साहूकार बहुत अमीर बन गया है। लक्ष्मी देवी जैसे आयीं उसकी चौकी स्वीकार की ऐसे ही हमारी भक्ति स्वीकार करिये और हमें भी धनधान्य से सम्पन्न करिये।

इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि चाहे आपके पास कुछ भी न हो लेकिन आप यदि सच्ची श्रद्धा से भगवान की प्रार्थना करते हैं तो वे अवश्य प्रसन्न होते हैं।

गोवर्धन पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा की पौराणिक कथा द्वापर युग से जुड़ी है। कहते हैं कि एक बार श्रीकृष्ण गोप गोपियों के साथ गाएं चराते हुए गोवर्धन पर्वत के पास पहुंचे। वहाँ उन्होंने देखा कि सभी ब्रजवासी देवराज इन्द्र की पूजा की भव्य तैयारी कर रहे थे, हजारों गोपियाँ गोवर्धन पर्वत के पास छप्पन भोग बनाकर उत्सव मना रहे हैं। इन्द्र देवता को प्रसन्न करने के लिए प्रतिवर्ष यह उत्सव मनाया जाता है। ऐसा गोपियों ने बताया तब कृष्ण ने कहा कि जब देवता स्वयं प्रत्यक्ष आकर भोग करें तब तो इस उत्सव का कुछ मतलब है। गोपियाँ बोलीं कि इन्द्र देव की निन्दा आपको नहीं करनी चाहिये। इन्द्र की कृपा से ही वर्षा होती है। श्री कृष्ण ने कहा कि वर्षा तो गोवर्धन पर्वत के कारण होती है इसलिये तुम सबको इन्द्र की जगह गोवर्धन पर्वत की पूजा करनी चाहिये। सभी गोप ग्वाल अपने–अपने घरों से पकवान ला–लाकर भगवान कृष्ण ने जैसे बताया था वैसे ही गोवर्धन पर्वत की पूजा करने लगे।

इन्द्र भगवान को जब पता चला कि इस वर्ष इन्द्र की पूजा न करके गोवर्धन की पूजा की जा रही है तो वे कुपित हो गये और उन्होंने मेघों को आज्ञा दी कि गोकुल में जाकर इतना पानी बरसाएं कि वहाँ प्रलय आ जाय।

मेघों ने इन्द्र की आज्ञा से मूसलाधार बारिश शुरू कर दी। तब ब्रज में सभी संकट में पड़ गये तब कृष्ण ने सभी को आदेश दिया कि अपने गायों और बछड़ों को लेकर गोवर्धन पर्वत के नीचे आ जायं। गोवर्धन ही सबकी रक्षा करेंगे। भगवान कृष्ण ने अपनी छोटी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया था जिससे समस्त ब्रजवासी उसके नीचे शरण ले सकें। कृष्ण भगवान की कृपा से गोवर्धन पर्वत ने एक छाते का काम किया और सभी ब्रजवासी सात दिनों तक गोवर्धन पर्वत की शरण में रहे। भगवान के सुदर्शन चक्र के प्रभाव से ब्रजवासियों पर पानी की एक बूंद भी नहीं पड़ी।

इन्द्र देवता चकित थे यह सब देखकर। तब ब्रह्मा जी ने उनको बताया कि पृथ्वी पर श्रीकृष्ण का जन्म हो चुका है। उनसे तुम्हारा बैर होना उचित नहीं है। श्री कृष्ण अवतार की बात जानकर इन्द्र देवता अपनी मूर्खता पर बहुत लज्जित हुये और उन्होंने अपनी गलती के लिए श्री कृष्ण से क्षमा याचना की और बारिश रोक दी। बारिश रुकने के बाद भगवान श्री कृष्ण ने सातवें दिन गोवर्धन पर्वत को नीचे रखकर ब्रजवासियों से कहा कि अब आप सभी लोग प्रतिवर्ष छप्पन भोग बनाकर गोवर्धन पर्वत की पूजा किया करो। तभी यह पर्व और उत्सव मनाया जाता है। मान्यता है कि अन्नकूट या गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण के अवतार के बाद द्वापर युग से प्रारम्भ हुई थी।

इस दिन गाय–बैल आदि पशुओं को स्नान कराकर उनका भी पूजन किया जाता है। उनको भी मिठाई खिलाकर उनकी परिक्रमा की जाती है। इस दिन गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर उसकी परिक्रमा भी की जाती है।

अतिक्रमण और निष्क्रियता

वीपी राहुल

नगर निगमों और नगर पालिकाओं की हल्ला गाड़ी का तमाशा तो लगभग सभी ने देखा होगा। इससे एक सीमित समय के लिए अतिक्रमण हट जाता है लेकिन चार दिन बाद और कभी–कभी तो उसी दिन सड़कों पर कब्जा करके आम जनता के लिए परेशानी पैदा की जाती है। सड़क पर धंधा करके रोजी–रोटी कमाने वालों की बड़ी तदाद है और ये लोग इसके लिए सुविधा शुल्क भी देते हैं लेकिन बड़े–बड़े कारोबारी भी अतिक्रमण करके समस्या पैदा करते हैं। इस अतिक्रमण को इसलिए दूर नहीं किया जा सकता क्योंकि संबंधित विभाग के लोग निष्क्रिय रहते हैं। यह समस्या किसी एक प्रदेश और शहर तक सीमित नहीं है बल्कि देश भर में थोड़े–बहुत अंतर के साथ देखी जा सकती है। देश के सबसे अमीर नगर निगम वृहन्न मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) की निष्क्रियता पर देश की सबसे बड़ी अदालत अर्थात् सुप्रीम कोर्ट की भृकुटी टेढ़ी हो गयी है। सुप्रीम कोर्ट ने बोरी बेले बेस्ट बस स्टेशन और डिपो के लिए आरक्षित भूमि पर अतिक्रमण को हटाने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद बीएमसी



ने कोई कदम नहीं उठाया। सुप्रीम कोर्ट ने बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े और संबंधित अफसरों के नवम्बर महीने के वेतन रोक दिये हैं। बीएमसी पर पांच लाख का जुर्माना भी ठोंका गया है। यह सजा कोई बड़ी नहीं है लेकिन जिम्मेदार अफसरों के लिए एक चेतावनी तो जरूर है। उन्हें जनता के प्रति अपने कर्त्तव्य करने होंगे अन्यथा सरकार भले ही उनकी निष्क्रियता को नजरंदाज करे लेकिन अदालत के हाथ उनके गिरेबान तक पहुंच जाएंगे।

देश की सबसे अमीर नगर निगम बृहन्न मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। बोरीवली में बेस्ट बस स्टेशन और डिपो के लिए आरक्षित भूमि से अवैध अतिक्रमण नहीं हटाने पर अदालत ने कड़ा रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े और संबंधित अधिकारियों के नवंबर महीने के वेतन पर रोक लगाने का आदेश दिया है। साथ ही अदालत ने अवमानना की कार्रवाई शुरू करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया और बीएमसी पर 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। ये मामला मुंबई के बोरीवली क्षेत्र में बेस्ट बस स्टेशन और डिपो के लिए आरक्षित भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाए जाने से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट पहले भी इस जमीन को खाली कराने के निर्देश दे चुका था, लेकिन बार–बार आदेश दिए जाने के बावजूद बीएमसी की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। बुधवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने इस पर गंभीर नाराजगी जताई और कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी का मामला है।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की पीठ ने बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े के खिलाफ कारण बताओ अवमानना नोटिस जारी किया। अदालत ने आदेश दिया कि कमिश्नर और इस मामले से जुड़े संबंधित अधिकारियों का नवंबर माह का वेतन 1 दिसंबर 2026 तक रोका जाए। बेंच ने स्पष्ट संकेत दिए कि यदि आदेशों के पालन में और देरी हुई तो आगे और कड़ी कार्रवाई भी की जा सकती है। सुनवाई के दौरान बीएमसी की ओर से कहा गया कि कार्रवाई से पहले कुछ मराठी दस्तावेजों का अंग्रेजी में अनुवाद कराया जाना आवश्यक था, इसलिए समय लगा। इस दलील पर अदालत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। कोर्ट ने सवाल किया कि हलफनामा दाखिल करने वाले अधिकारियों को क्या मराठी भाषा नहीं आती। अदालत ने इस स्पष्टीकरण को संतोषजनक नहीं माना और इसे आदेशों के पालन में देरी का उचित कारण मानने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने यह भी टिप्पणी की कि रिकॉर्ड देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकारियों और अतिक्रमणकारियों के बीच मिलीभगत हो सकती है। अदालत ने कहा कि बार–बार निर्देश दिए जाने के बावजूद कार्रवाई न होना गंभीर चिंता का विषय है और यह आदेशों के जानबूझकर उल्लंघन की ओर संकेत करता है। बेंच ने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई पर भी विचार किया जाएगा। बीएमसी ने अतिक्रमण हटाने और न्यायालय के निर्देशों का पालन करने के लिए 30 दिन का अतिरिक्त समय मांगा था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। अदालत ने माना कि पहले ही पर्याप्त समय दिया जा चुका है और अब और देरी स्वीकार नहीं की जा सकती। आदेशों का पालन न करने और मामले में देरी के चलते सुप्रीम कोर्ट ने बीएमसी पर 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

भाई को दीर्घायु व समृद्धि का टीका



रिया गुप्ता

भैया दूज की कथा–कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया को मनाए जाने वाले इस त्यौहार के पीछे की ऐतिहासिक कथा भी निराली है। पौराणिक आख्यान के अनुसार सूर्य पुत्री यमुना ने अपने भाई यमराज को आमंत्रित किया कि वह उसके घर आकर भोजन ग्रहण करें, किन्तु व्यस्तता के कारण यमराज उनका आग्रह टाल जाते थे। कहते हैं कि कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमराज ने यमुना के घर जाकर उनका सत्कार ग्रहण किया और भोजन भी किया। यमराज ने बहन को वर दिया कि जो भी इस दिन यमुना में स्नान करके बहन के घर जाकर श्रद्धापूर्वक उसका सत्कार ग्रहण करेगा, उसे व उसकी बहन को यम का भय नहीं होगा। तभी से लोक में यह पर्व यम द्वितीया के नाम से प्रसिद्ध हो गया। भाइयों को बहनों की टीकाकरण के चलते इसे भातृ द्वितीया या भाई दूज भी कहते हैं।

मनाने की विधि–इस पूजा में भाई की हथेली पर बहनें चावल का घोल लगाती हैं। उसके ऊपर सिंदूर लगाकर कद्दू के फूल, पान, सुपारी मुद्रा आदि हाथों पर रखकर धीरे–धीरे पानी हाथों पर छोड़ते हुए कुछ मंत्र बोलती हैं जैसे 'गंगा पूजे यमुना को यमी पूजे यमराज को, सुभद्रा पूजे कृष्ण को, गंगा यमुना नीर बहे मेरे भाई की आयु बढ़े'। इसी प्रकार कहीं इस मंत्र के साथ हथेली की पूजा की जाती है 'सांप काटे, बाघ काटे, बिच्छू काटे जो काटे सो आज काटे'। इस तरह के शब्द इसलिए कहे जाते हैं क्योंकि ऐसी मान्यता है कि आज के दिन अगर भयंकर पशु काट भी ले तो यमराज के दूत भाई के प्राण नहीं ले जाएंगे। कहीं–कहीं इस दिन बहनें भाई के सिर पर तिलक लगाकर उनकी आरती उतारती हैं और फिर हथेली में कलावा बांधती हैं। भाई का मुंह मीठा करने के लिए उन्हें माखन मिस्री खिलाती हैं। संध्या के समय बहनें यमराज के नाम से चौमुख दीया जलाकर घर के बाहर रखती हैं। इस समय ऊपर आसमान में चील उड़ता दिखाई दे तो बहुत ही शुभ माना जाता है।

भाई दूज हिन्दुओं का एक प्रमुख तथा प्रसिद्ध त्यौहार है जो अधिकतर हिन्दुओं द्वारा देश भर में प्रमुखता से मनाया जाता है। भाई दूज का पर्व पांच दिवसीय दिवाली उत्सव का अंतिम दिन होता है। भाई दूज एक ऐसा पर्व है जो भाई–बहन के बीच के पवित्र बंधन के प्रति श्रद्धा को व्यक्त करता है। यह भाई–बहन को एक दूसरे के प्रति सम्मान एवं प्रेम प्रकट करने का शानदार अवसर है। इस तिथि पर सभी बहनें अपने भाइयों के लिए एक सुखी, स्वस्थ और समृद्धि जीवन की कामना करती हैं। वहीं भाई अपनी बहनों के प्रति अपना स्नेह जताने के लिए कोई उपहार भेंट करते हैं। भाई–बहन के इस पवित्र पर्व पर पूरा परिवार एक साथ एकत्रित होता है, मिठाई और अन्य स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाते हैं।

इस बार दीपावली के दूसरे दिन प्रतिपदा न होने से तीसरे दिन अर्थात् 10 नवम्बर को गोवर्द्धन पूजा की जाएगी। उसके बाद कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया अर्थात् गुरुवार 11 नवम्बर को भैयादूज अथवा यम द्वितीया का पर्व मनाया जाएगा। भारत के भिन्न–भिन्न क्षेत्रों में इसके अनेक नाम मिलते हैं। गुजरात में भाई बीज, बंगाल में भाईफोटा, पंजाब में टिक्का, महाराष्ट्र में भाऊ बीज नाम से यह प्रसिद्ध है। नेपाल में इसे टीका नाम से जाना जाता है। इस दिन यहां बहनें अपने भाई की समृद्धि शांति और सुरक्षा के लिये यम के शीश का प्रतीक अखरोट द्वार के चौखट पर तोड़कर बाहर फेंकती हैं। यह अखरोट हिरण्यकश्यप के सिर का प्रतीक है। इस पर्व पर बहनें उपवास रखकर अपने–अपने आंगन में भैयादूज की चौक बनाती हैं। इस त्योहार में ऋषि मार्कण्डेय, यमुना तथा यमराज का अनुपम अंकन गरिमापूर्ण है। भ्राताओं के सुखमय जीवन, समृद्धि, दीर्घायु आदि की मंगल कामना होती है। पूजा के बाद पारम्परिक कथाओं का कथन एवं श्रवण होता है। ब्रह्मपुराण, स्कन्द पुराण में यह पर्व यम द्वितीया नाम से प्रसिद्ध है। दिनकर तनया यमुना द्वारा अपने भाई यम की दीर्घायु के लिये विधाता से विनम्र प्रार्थना इसी पर्व पर की गयी थी। पौराणिक आख्यानों के अनुसार यम देवता पर सारे विश्व के शासन का भार रहता था। आरम्भ में यम देवता इससे प्रसन्न थे परन्तु बाद में वे ऊबते चले गये। इसी मध्य दीपावली का महापर्व आ गया। छोटी बहन यमुना ने अपने ज्येष्ठ भ्राता यमदेव को अपने घर पर टीका लगवाने का निमंत्रण दिया। यम के उपस्थित होने पर यमुना ने प्रसन्न भाव से भरपूर सम्मान प्रदान किया। इसी समय अपनी बहन के विमल भाव को देखकर यमदेव ने वरदान दिया कि जो भी भ्राता आज के दिन यमुना स्नान कर अपनी बहन के कर कमलों से निर्मित भोजन करेगा, वह दीर्घजीवी होगा।

इसीलिए यम द्वितीया पर यमुना स्नान का महत्व बढ़ गया।

सर्दियों में बार–बार यूरिन इन्फेक्शन क्यों होता है?



ठंड के मौसम में अक्सर प्यास कम लगती है। दिन भर में दो–तीन गिलास पानी और कुछ कप चाय, बस। ऊपर से ठंडे बाथरूम में जाने का मन नहीं करता, तो पेशाब भी देर तक रोक लेते हैं। ये दोनों आदतें मिलकर यूरिन इन्फेक्शन का खतरा बढ़ा सकती हैं, खासकर उन महिलाओं में ज्यादा खतरनाक है, जिन्हें यह पहले भी बार–बार हो चुका है। पानी बढ़ाने से इसका खतरा घटता है, यह एक शोध में भी देखा गया है।

ज्यादातर यूटीआई आंतों के बैक्टीरिया के मूत्रमार्ग से मूत्राशय तक पहुंचने से होते हैं। ब्रिटेन की सरकारी स्वास्थ्य सेवा एनएचएस के मुताबिक महिलाओं में मूत्रमार्ग छोटा होता है, इसलिए उन्हें यह संक्रमण ज्यादा होता है। एनएचएस कम पानी पीने और मूत्राशय पूरी तरह खाली न होने को भी इसकी वजहों में गिनता है।

इसे आसान भाषा में समझिए, जब आप कम पानी पीती हैं, तो पेशाब कम बनता है और कम बार जाना पड़ता है। बैक्टीरिया को बाहर निकलने का मौका कम मिलता है। अमेरिका के अस्पतालों के आंकड़ों पर हुए एक अध्ययन में यूटीआई से भर्ती होने के मामले गर्मियों में ज्यादा और सर्दियों में कम मिले थे। यानी उन आंकड़ों में सर्दी कोई खास मौसम नहीं निकली।

लेकिन अगर ठंड में आपका पानी आधा रह जाता है और आप घंटों पेशाब रोककर रखती हैं, तो आपके लिए खतरा बढ़ सकता है। प्यास न लगने पर भी पानी न पीना सबसे आम आदत है। एक बोतल पास रखें और उसे दिन में दो–तीन बार भरें। ठंडा पानी अच्छा न लगे, तो गुनगुना पानी पिएं।

ठंडे बाथरूम या ऑफिस में बार–बार उठने के झंझट से पेशाब रोकने की आदत भी छोड़ें। जब जरूरत लगे, तब जाएं और मूत्राशय पूरी तरह खाली करें। कई परतों वाले कपड़े, टाइट लेगिंग या सिंथेटिक इनर पहनने से उस हिस्से में नमी बनी रह सकती है। एनएचएस सूती अंडरवियर पहनने और उस हिस्से को साफ और सूखा रखने की सलाह देता है।

टॉयलेट के बाद आगे से पीछे की ओर पोंछें, शारीरिक संबंध के बाद पेशाब करें, और खुशबू वाले साबुन से बचें।पेशाब में जलन या दर्द, बार–बार और अचानक पेशाब की जरूरत लगना, रात में कई बार उठना, पेशाब का धुंधला होना या उसमें खून आना, और पेट के निचले हिस्से में दर्द, ये यूटीआई के आम लक्षण हैं।

तेज बुखार हो, कंपकंपी लगे या कमर में पसलियों के नीचे दर्द हो, क्योंकि यह किडनी तक संक्रमण का संकेत हो सकता है।

आप गर्भवती हैं, आपको डायबिटीज है या 48 घंटे में लक्षण ठीक न हों। छह महीने में दो बार या साल में तीन बार यूटीआई हो चुका हो। एनएचएस इसे बार–बार होने वाला संक्रमण मानता है, और इसकी जांच जरूरी है।

wisdom360™
Cultivating Success
(AN IIT/IIM ALUMNI INITIATIVE)
Class V to XII
(CBSE & ICSE)
70072-79710
1/46 Rashmi Khand Sharda Nagar 226002.

निसान का ग्राहकों को बड़ा तोहफा, मैग्नाइट और ग्रेवाइट के चुनिंदा मॉडल बनेंगे सीएनजी



निसान मोटर इंडिया ने अपने ग्राहकों को मैग्नाइट और ग्रेवाइट के चुनिंदा संस्करणों पर सीएनजी रेट्रोफिटमेंट की सुविधा देने की घोषणा की है। यह ऑफर सीमित समय के लिए उपलब्ध होगा। मैग्नाइट के चुनिंदा संस्करणों पर सीएनजी रेट्रोफिटमेंट की लगात 74,999 रुपये और ग्रेवाइट पर 85,999 रुपये होगी। कंपनी ने बताया कि सरकार द्वारा स्वीकृत इन रेट्रोफिटमेंट किट्स में स्टैंडर्ड वारंटी के साथ–साथ तीन साल या एक लाख किलोमीटर की तीसरे पक्ष की वारंटी भी मिलती है।

निसान ग्रेवाइट में इस सेगमेंट का पहला 'स्मार्ट ट्विन–सिलेंडर सीएनजी समाधान' (2 गुणा 25 लीटर) दिया गया है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि गाड़ी की 7–सीटर क्षमता और रोजमर्रा के इस्तेमाल की सुविधा पूरी तरह बनी रहे। यह ऑफर 16 नवंबर 2026 तक उपलब्ध है। यह निसान मैग्नाइट के नॉन–टर्बो वेरिएंट्स (वीजिया एमटी, वीजिया ईजी–शिफ्ट और वीजिया प्लस एमटी को छोड़कर) और निसान ग्रेवाइट के टेक्ना संस्करणों पर लागू है।

दवा उद्योग पर सरकार की नई शर्तों का असर



दवा उद्योग ने सरकार से इस पर स्पष्टता का अनुरोध किया है कि ज्यादा जोखिम वाले फार्मास्युटिकल सॉल्वैंट्स के लिए नई बैच–वार डिजिटल मंजूरी की शर्त निर्यात करने वाले निर्माताओं पर लागू होती है या नहीं। उसका कहना है कि केंद्र के इस कदम से संभावित आपूर्ति व्यवधानों की चिंता बढ़ गई है।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) के दवा नियंत्रकों को निर्देश दिया है कि वे यह जरूरी करें कि निर्दिष्ट फार्मा–ग्रेड सॉल्वैंट्स के सभी निर्माता और आपूर्तिकर्ता उनकी ऑनलाइन राष्ट्रीय औषधि लाइसेंसिंग प्रणाली (ओएनडीएलएस) पर पंजीकरण कराएं और वितरित करने से पहले प्रत्येक बैच का अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लें। नई ट्रैकिंग आवश्यकता के दायरे में आने वाले सॉल्वैंट्स में ग्लिसरीन, प्रोपलीन ग्लाइकॉल, सॉर्बिटोल, माल्टिटोल, पॉलीइथिलीन ग्लाइकॉल, पॉलीसोर्बेट्स और एथिल अल्कोहल शामिल हैं। इनका इस्तेमाल डोज के कई तरह के रूप में किया जाता है। इनमें ओरल लिक्विड, टैबलेट, कैप्सूल, ऑइंटमेंट और इंजेक्शन शामिल हैं।

उद्योग जगत के अधिकारियों का कहना है कि इस आदेश में घरेलू खपत के लिए रखी गई मात्रा और निर्यात के लिए निर्धारित मात्रा के बीच कोई फर्क नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि यह आदेश पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर लागू होता है, जिसमें विदेशी बाजारों को फॉर्मूलेशन की आपूर्ति करने वाले निर्माता भी शामिल हैं।

टीमलीज रेगटेक के सह–संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋषि अग्रवाल ने कहा कि निर्यात–केंद्रित इकाइयों के पास भी 'ड्रग्स ऐंड कॉस्मेटिक्स एक्ट' के तहत दवा निर्माण लाइसेंस होते हैं और वे घरेलू निर्माताओं की तरह ही उसी आपूर्ति श्रृंखला से सॉल्वैंट्स लेती हैं।

उन्होंने कहा, 'आदर्श रूप से, भारतीय मरीजों के लिए बनाई गई दवा का मानक वही होना चाहिए जो निर्यात के लिए बनाई गई दवा का होता है। नया सॉल्वेंट ट्रैकिंग सिस्टम इसमें मदद करता है, क्योंकि यह इनपुट स्तर पर काम करता है।' अधिकारियों का कहना है कि इस कदम से अल्पावधि में ग्रामीण वितरण व्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है।

उद्योग के अनुमानों के अनुसार भारत में खांसी–जुकाम की दवाओं का बाजार लगभग 7,000 करोड़ रुपये का है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र और राजस्थान के ग्रामीण बाजारों में सर्दी–जुकाम की दवाओं, खासकर सीरप की खपत सबसे अधिक होती है।

आईफोन की भारत में रिकॉर्ड बिक्री, पुराने से नए फोन में कन्वर्ट हुए लोग



अमरीकी टेक कंपनी एप्पल ने गत 26 सितंबर को समाप्त तिमाही में 114 अरब डॉलर से अधिक का राजस्व कमाया और इस दौरान भारत समेत कई बाजारों में उसकी रिकॉर्ड बिक्री हुई। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित क्यूपर्टिनो में कंपनी ने 26 सितंबर को समाप्त चौथी तिमाही और पूरे साल के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की। उसने बताया कि तिमाही में कुल राजस्व, आईफोन से प्राप्त राजस्व और प्रति शेयर आय के नये रिकॉर्ड बने हैं। साथ ही सेवा से प्राप्त राजस्व भी अबतक के रिकॉर्ड स्तर पर रहा। कंपनी का तिमाही राजस्व 114.5 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 12 प्रतिशत अधिक है। प्रति शेयर आय 2.10 डॉलर पर पहुंच गई। इसमें सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी ने प्रति शेयर 0.27 डॉलर के लाभांश की घोषणा की है। कुल मिलाकर 28 अरब डॉलर लाभांश के रूप में वितरित किए जाएंगे। इसका भुगतान 16 नवंबर को किया जाएगा, जिसके लिए 12 नवंबर 2026 का शेयरधारिता को आधार बनाया जाएगा।

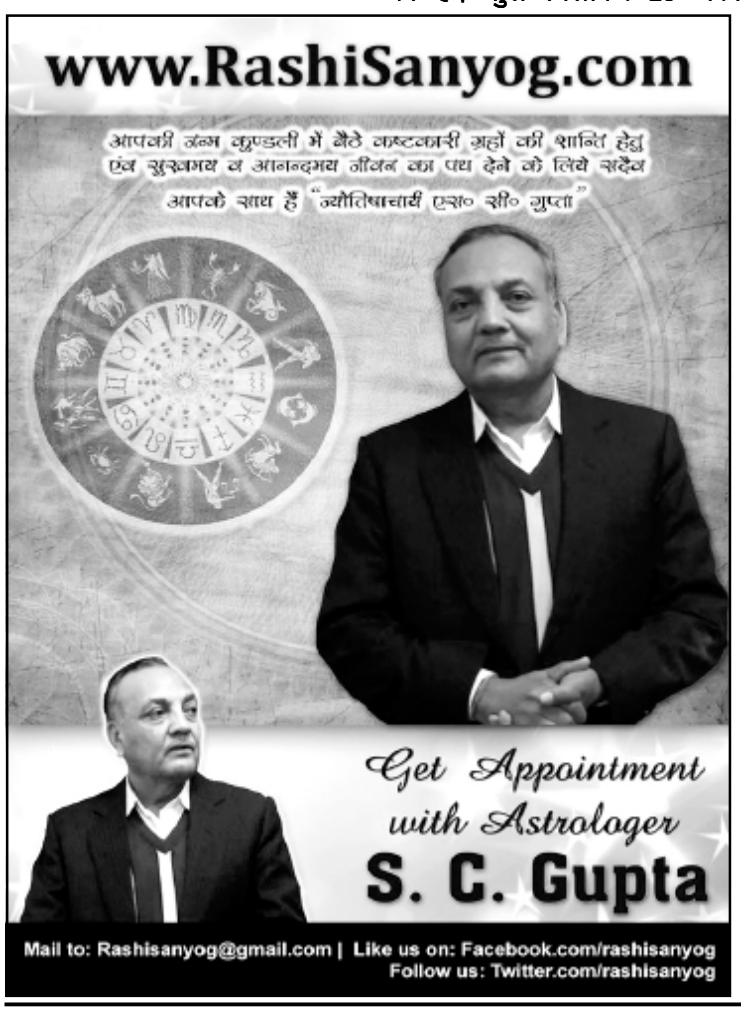
परिणामों के बाद मीडिया से बात करते हुए एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉन टर्नस ने बताया कि कंपनी ने अमरीका, यूरोप, चीन और शेष एशिया–प्रशांत क्षेत्रों में सितंबर तिमाही के रिकॉर्ड बनाए। विकसित और उभरते, दोनों तरह के बाजारों में सितंबर तिमाही का राजस्व नये रिकॉर्ड स्तर पर रहा। इसके साथ ही भारत में भी अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि चौथी तिमाही में आईफोन से 57.6 अरब डॉलर की कमाई हुई है जो एक साल पहले के मुकाबले 17 प्रतिशत अधिक है। यह कंपनी की कुल आय का 50 प्रतिशत है। अमरीका और चीन में दहाई अंक की अच्छी वृद्धि रही, जिससे राजस्व रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है।

टोयोटा लॉन्च करेगी फ्लेक्स-फ्यूल से चलने वाली इनोवा



केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन इस महीने इनोवा का फ्लेक्स–फ्यूल मॉडल पेश करेगी। ये गाड़ी इ–100 (100 प्रतिशत एथनॉल) से चलने में पूरी तरह से सक्षम होगी। गडकरी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को एनर्जी सेक्टर में आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है, क्योंकि पश्चिम एशिया में संघर्ष और रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण जीवाश्म ईंधन की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। उन्होंने ये भी दावा किया कि अगले साल तक देश में बिकने वाली कम से कम 35–40 प्रतिशत कार इलेक्ट्रिक होंगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है और भारत स्वच्छ हाइड्रोजन का शुद्ध निर्यातक बन सकता है। पिछले महीने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन अधिसूचित किए थे। इसके तहत इ–100 फ्यूल से चलने वाली फ्लेक्स–फ्यूल गाड़ियों को मंजूरी दी गई है।



धनतेरस पर देशभर में हुई रिकॉर्ड खरीद



रत्न आभूषण बाजार के प्रमुख संगठनों और खुदरा कारोबारी संघों ने इस धनतेरस पर पूरे देश में लगभग 60,000 से 66,000 करोड़ रुपए के सर्राफा कारोबार होने का अनुमान लगाया है। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) ने प्रारंभिक अनुमानों के आधार पर कहा है कि इस धनतेरस पर सोने का कारोबार 60,000 करोड़ रुपये के स्तर तक जा सकता है।

ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) ने धरतेरस पर सोने–चांदी का कारोबार अकेले 66,000 करोड़ से अधिक रहने की संभावना व्यक्त की है। खुदरा व्यापारियों के शीर्ष संगठन कैट (कन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स) के महासचिव और दिल्ली से भाजपा के लोक सभा सदस्य प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि धनतेरस पर देश के खुदरा व्यापार ने नया रिकॉर्ड बना दिया है और कारोबार 1.25 लाख करोड़ के पार रहने का अनुमान है। जीजेसी के अध्यक्ष राजेश रोकड़े ने एक बयान में कहा कि इस बार पिछले वर्ष की तुलना में इस पर्व पर सोने के कारोबार में लगभग 15–20 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।

MY SPORT CART
LIVE . PLAY . WIN
ONLINE SHOPPING
Customer Care:
+91-9654477772
(10am - 8pm)
www.mysportcart.com

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला टीम घोषित, तीनों प्रारूपों में स्मृति मंधाना संभालेंगी कमान



भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला क्रिकेट चयन समिति ने दिसंबर में होने वाले दक्षिण अफ्रीका के ऑल–फॉर्मेट दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरे पर भारत एक टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी–20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगा। स्मृति मंधाना तीनों प्रारूपों में टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि दीप्ति शर्मा टेस्ट और वनडे टीम की उपकप्तान होंगी। टी–20 टीम में शेफाली वर्मा को उपकप्तान बनाया गया है।

दौरे की शुरुआत 9 दिसंबर को गकेबरहा में खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट मुकाबले से होगी। इसके बाद 16 दिसंबर को पार्ल में पहला एकदिवसीय मैच खेला जाएगा।

दूसरा वनडे 19 दिसंबर को केपटाउन और तीसरा मुकाबला 22 दिसंबर को ब्लोमफोंटेन में होगा। टी–20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पहला मुकाबला 26 दिसंबर को बेनोनी में खेला जाएगा। दूसरा और तीसरा टी–20 मैच क्रमशः 29 और 30 दिसंबर को पोटचेफस्ट्रूम में होंगे। टेस्ट टीमरू स्मृति मंधाना (कप्तान), शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), श्री चरणी, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, नंदनी शर्मा, जिंतिमणि कलिता और सयाली सतघरे।

एकदिवसीय टीम–स्मृति मंधाना (कप्तान), शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, नंदनी शर्मा, जिंतिमणि कलिता और सयाली सतघरे।

टी–20 टीम–स्मृति मंधाना (कप्तान), शेफाली वर्मा (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर, निकी प्रसाद, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा, दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, प्रेमा रावत, अमनजोत कौर, क्रांति गौड़, नंदनी शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी और सयाली सतघरे।

चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर हुए शादमान इस्लाम



दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे से पहले बांग्लादेश क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम टखने की चोट के कारण पूरे दौरे से बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश की टीम इस महीने दक्षिण अफ्रीका में दो टेस्ट और इसके बाद तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक सिलहट (बांग्लादेश) में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन बल्लेबाजी के दौरान शादमान का टखना मुड़ गया था। चोट गंभीर होने के कारण उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर होना पड़ा है। सिलेक्शन पैनल के एक सदस्य ने क्रिकबज को बताया कि शादमान दक्षिण अफ्रीका के दौरे से बाहर हो गए हैं। उनके मुताबिक सलामी बल्लेबाज के टखने में टियर आया है और साथ ही फ्रैक्चर होने की भी आशंका है।माना जा रहा है कि सिलहट में वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश की टीम एक खिलाड़ी कम के साथ बल्लेबाजी करेगी। क्रिकबज के अनुसार सलामी बल्लेबाज महफिजुल इस्लाम रॉबिन को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम में शामिल किया जा सकता है।



युवा ओलंपिक में तन्वी पत्री ने जीता रजत पदक



भारत की तन्वी पत्री को युवा ओलंपिक खेल 2026 की बैडमिंटन महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। खिताबी मुकाबले में उन्हें चीन की मौजूदा विश्व जूनियर चौंपियन झांग यी शिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तन्वी ने पहले गेम में शुरुआती लय हासिल करने में थोड़ा समय लिया, लेकिन इसके बाद लगातार सात अंक जीतकर 3–5 से 10–5 की बढ़त बना ली। उनके पंच टॉस और नेट पर शानदार नियंत्रण ने झांग को दबाव में रखा। भारतीय खिलाड़ी ने 25 मिनट में पहला गेम अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में तन्वी ने 4–0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की। हालांकि, कोर्ट के पीछे से आने वाले हवा के रुख के कारण उनके क्लियर शॉट्स पर नियंत्रण प्रभावित हुआ। मध्यांतर के बाद झांग ने मुकाबले पर पकड़ मजबूत की और दूसरा गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया।

निर्णायक गेम में झांग ने अपने क्रॉस–कोर्ट ड्रॉप शॉट्स के दम पर शुरुआत से ही बढ़त बना ली और स्कोर 19–10 तक पहुंचा दिया। तन्वी ने हार नहीं मानी और लगातार अंक जुटाते हुए अंतर 19–15 कर दिया। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी के एक क्रॉस–कोर्ट स्मैश के बाहर जाने से झांग को पांच मैच प्वाइंट मिल गए।

तन्वी ने शानदार संघर्ष करते हुए पांचों मैच प्वाइंट बचा लिए और स्वर्ण पदक जीतने के लिए तीन मौके भी बनाए। लेकिन झांग के अधिक अनुभव ने अंततः निर्णायक भूमिका निभाई और उन्होंने खिताब अपने नाम कर लिया।इस रजत पदक के साथ तन्वी युवा ओलंपिक में बैडमिंटन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने सेमीफाइनल में जापान की युजुनो वातानाबे को 21–14, 11–21, 21–19 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। वातानाबे ने कांस्य पदक जीता।





रामायण की कौशल्या ने बताया रणबीर सच में बन गये राम



नितेश तिवारी की रामायण में माता कौशल्या का किरदार निभा रहीं एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णन ने रणबीर कपूर को दो बिल्कुल अलग–अलग किरदारों में देखा है। संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल में उन्होंने रणबीर की सास का रोल किया था। इस फिल्म में रणबीर ने रणविजय सिंह का एग्रेसिव किरदार निभाया था। अब रामायण में वे फिर से उनके साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं, जहां रणबीर श्री राम के किरदार में हैं। दोनों किरदारों में रणबीर की एक्टिंग को करीब से देखने के बाद, इंदिरा का कहना है कि उनका यह बदलाव वाकई कमाल का है।

दोनों किरदारों के बीच के फर्क के बारे में बात करते हुए, इंदिरा ने बताया कि कैसे एनिमल में रणबीर पूरी तरह से रणविजय सिंह की पर्सनैलिटी में ढल गए थे। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि एनिमल में उन्होंने पूरी तरह से रणविजय सिंह के रवैये को अपना लिया था। वे सेट पर उसी रवैये के साथ आते थे और उसी एनर्जी के साथ एक्टिंग करते थे। पूरी फिल्म के दौरान उनका रवैया ऐसा था जैसे उन्हें किसी बात की परवाह ही न हो, और उन्होंने अपनी बॉडी लैंग्वेज को भी उसी हिसाब से बदल लिया था। इंदिरा ने कहा, रामायण के सेट पर उनसे मिलना उनके लिए एक बिल्कुल अलग एक्सपीरियंस था। उन्होंने बताया, जब मैं रामायण के सेट पर उनसे मिली तो मैं हैरान रह गई और सोचने लगी, हे भगवान, कितना बड़ा चेंज! उन्होंने मुझसे कहा, हेलो मैम, कैसी हैं आप? और मैं सोच में पड़ गई, क्या? क्या यह वही इंसान है जिससे मैं मिल रही हूं? दोनों किरदारों में रणबीर को देखने के बाद इंदिरा ने इस फर्क को जमीन–आसमान का फर्क बताया। 'एनिमल' जैसी फिल्म से श्री राम के किरदार तक का इतना बड़ा बदलाव किसी भी एक्टर के लिए आसान नहीं होता।

आरती शुक्ला के किरदार ने सामाजिक रूढियों को दी चुनौती



बॉलीवुड फिल्म 'शादी में जरूर आना' के प्रदर्शन के नौ साल पूरे हो गए हैं। फिल्म में आरती शुक्ला का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री कृति खरबंदा ने अपने अभिनय से एक ऐसी महिला की कहानी को जीवंत किया था, जो प्रेम और विवाह के साथ अपने करियर, स्वतंत्र पहचान और आत्मसम्मान को भी समान महत्व देती है। फिल्म की कहानी केवल प्रेम, बिछडने और रिश्तों में आए उतार–चढ़ाव तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके माध्यम से महिलाओं की सामाजिक स्थिति और पारंपरिक अपेक्षाओं पर भी सवाल उठाए गए थे। आरती का किरदार उन युवतियों का प्रतिनिधित्व करता है, जो शादी को जीवन का एकमात्र लक्ष्य मानने के बजाय अपने सपनों को पूरा करना चाहती हैं।

आरती की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वह अपने करियर और भविष्य को लेकर स्पष्ट सोच रखती थी। वह परिवार और रिश्तों को महत्व देने के साथ अपनी अलग पहचान भी बनाना चाहती थी। उसका किरदार इस धारणा को चुनौती देता है कि एक अच्छी बेटी या पत्नी बनने के लिए महिला को अपनी इच्छाओं और महत्वाकांक्षाओं का त्याग करना चाहिए। फिल्म में आरती के आत्मसम्मान को भी प्रमुखता से दिखाया गया है। प्रेम संबंध में धोखे और भावनात्मक आघात का सामना करने के बावजूद वह परिस्थितियों के सामने झुकने के बजाय अपने लिए खड़े होने का साहस दिखाती है। उसका किरदार यह संदेश देता है कि किसी भी रिश्ते में प्यार और विश्वास के साथ आत्मसम्मान का होना भी जरूरी है। कृति खरबंदा ने आरती के किरदार में भावनात्मक संवेदनशीलता और दृढ़ता का संतुलित चित्रण किया है।

सपना चौधरी ने भोजपुरी फिल्म बैरी कंगना-2 में मचाया था धमाल



सपना चौधरी के भोजपुरी सफर से जुड़े खास गानों में गिना जाता है। यूपी–बिहार में इसकी लोकप्रियता के तो कहने ही क्या।

सपना चौधरी ने हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री में अपने डांस और देसी अंदाज से पहचान बनाई। तेरी आख्या का यो काजल, चटक मटक और छोरी बिंदास जैसे गानों ने उन्हें घर–घर तक पहुंचाया। सपना चौधरी ने बिग बॉस 11 में मजबूत पारी खेली और उनकी इसी लोकप्रियता ने उन्हें भोजपुरी सिनेमा में डेब्यू दिलाया। 2017 में उन्होंने बिग बॉस में दस्तक दी थी।भोजपुरी फिल्म बैरी कंगना 2 में नजर आई थीं। इस फिल्म में रवि किशन, काजल राघवानी, शुभी शर्मा और अवधेश मिश्रा जैसे कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाईं। फिल्म में सपना चौधरी का गाना मेरे सामने आके इसकी यूएसपी बना।

बैरी कंगना 2 साल 2018 में रिलीज हुई भोजपुरी फिल्म है। फिल्म का निर्देशन अशोक त्रिपाठी अत्रि ने किया था, जबकि निर्माता अशोक श्रीवास्तव थे। फिल्म में रवि किशन और काजल राघवानी की मौजूदगी के साथ सपना चौधरी का डांस भी दर्शकों की पहली पसंद रहा।

सपना चौधरी ने भोजपुरी सिनेमा में भी एक खास गाने से दर्शकों का ध्यान खींचा था। यह गाना रवि किशन की फिल्म बैरी कंगना 2 का था, जिसमें सपना चौधरी के डांस ने भोजपुरी दर्शकों के बीच खूब चर्चा बटोरी थी। फिल्म का गाना मेरे सामने आके आज भी

ममूटी के साथ काम कर बेहद खुश हैं साई पल्लवी



अभिनेत्री साई पल्लवी ने फिल्म ओमः चैप्टर 1– उधिरमरू दि ब्लड वुड के ऑडियो लॉन्च समारोह में दिग्गज अभिनेता मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके साथ काम करना उनके लिए बेहद खास रहा। साई पल्लवी ने कहा कि पहले वह ममूटी का नाम लिया करती थीं और अब उनके साथ काम कर रही हैं। शायद उन्होंने खुद ही इस सपने को साकार कर लिया। फिल्म के भव्य ऑडियो लॉन्च समारोह में धनुष, मम्मूट्टी, साई पल्लवी, श्रीलीला, निर्देशक राजकुमार पेरियासामी, निर्माता श्रद्धा अग्रवाल और संगीतकार साई अभ्यंकर मौजूद रहे। इस मौके पर बड़ी संख्या में प्रशंसक पहुंचे। साई पल्लवी ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र होने के बावजूद उन्होंने सेट पर मम्मूट्टी से ज्यादा ऊर्जावान अभिनेता नहीं देखा।

वह बिल्कुल बच्चों की तरह उत्साहित रहते हैं और कैमरा चालू होने से पहले भी अपने खास अंदाज में हाव–भाव व्यक्त करते रहते हैं। उनके साथ काम करना उनके लिए बेहद सुखद अनुभव रहा। इस अवसर पर निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा कि आरटेक स्टूडियोज के बैनर तले बनी उनकी फिल्मों का चेन्नई से हमेशा खास जुड़ाव रहा है। ओम के साथ इस रिश्ते को और बड़े स्तर पर ले जाया जा रहा है। यह अब तक की उनकी सबसे बड़ी फिल्म है। उन्होंने धनुष के साथ काम करने के अनुभव को खूबसूरत बताया और निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की मेहनत, लगन और समर्पण की सराहना की।

सुहाना ने फिल्म किंग के गाने का शेयर किया वीडियो



शाहरुख खान जन्मदिन पर मेकर्स ने किंग का पहला गाना तू मिल जाए रिलीज किया। गत 2 नंवबर को रिलीज हुए इस गाने को शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण पर फिल्माया गया है। हाल ही में सुहाना ने दिवाली पार्टी के लिए तैयार होते हुए इसी गाने पर लिपसिंक वीडियो शेयर किया, जिसे देखकर खुद शाहरुख भी हैरान रह गए। सुहाना ने जो रील शेयर किया है, उसमें वह किंग के गाने तू मिल जाए पर लिप–सिंक करते हुए नजर आ रही हैं। शुरुआत में वह मेकअप करती दिखाई देती हैं और फिर दिवाली पार्टी के लिए अपने फाइनल ग्लैमरस अवतार में बदलती हुई नजर आती हैं। इस क्लिप में वह तू मिल जाए के एड शीरन वाले हिस्से की नकल करती नजर आ रही हैं।

प्रधान संपादक
रूचिर सिंह सिसौदिया
स्थानीय संपादक
सुधीर निगम

कार्पोरेट कार्यालय–
सेक्टर–सी0–1, सी0–25,
एल0डी0ए0 कालोनी,
कानपुर रोड, लखनऊ
उ0प्र0–226012
टी.आई.एल. एक्सप्रेस
स्वामी एवं प्रकाशक रूचिर सिंह सिसौदिया द्वारा न्यू अनुग्राफिक्स, पार्क रोड लखनऊ से मुद्रित एवं 279 कटरा बांदा से प्रकाशित
फोन नं0–0522–4010844

Mail us-
tvindialive.til@gmail.com
Log on- tvindialive.in,
tvindialive.com,
www.facebook.com/
tvindialive/
https://www.youtube.com@tvindialivedigi

